दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | बिलासपुर, मंगलवार 28 अप्रैल 2020, वैशाख शुक्ल पक्ष-पंचमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-18 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

सारी दुनिया कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जूझ रही है लेकिन हमारा पड़ोसी देश आतंकिस्तान कोरोनाकाल में भी अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पीओके में उसने बड़ी संख्या में आतंकवादियों का जमावड़ा कर रखा है। जो कश्मीर में घुसपैठ की ताक में बैठे हैं। इसमें कई कोरोना संक्रमित आतंकवादी भी हैं। भारतीय सेना सतर्क है। जो भी सीमा पार कर आएगा। सीधे जहन्नुम जाएगा। कोरोना से निपटने की जगह आतंकिस्तान चीन की मदद से मिसाइल टेस्ट कर रहा है। ऐसा लगता है कि इमरान खान भिखारीस्तान को कब्रिस्तान बनाकर ही दम लेगा।

कोरोना: लॉकडाउन व संक्रमण की स्थिति पर पीएम ने फिर की सभी सीएम से चर्चा

अर्थव्यवस्था को अहमियत के साथ लड़नी होगी जंग

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मुख्यमंत्रियों से कहा कि हमें कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई को जारी रखने के साथ ही अर्थव्यवस्था को भी अहमियत देनी होगी। उन्होंने देश में जारी कोरोना संक्रमण के बीच सोमवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिये गत 25 मार्च से तीन मई तक के लिये लागू देशव्यापी बंद (लॉकडाउन) को चरणबद्ध तरीके से हटाने के उपायों और कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी इस बैठक में शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार बैठक में हिस्सा लेने वाले विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अधिकतर राज्य लॉकडाउन बढ़ाने के पक्ष में

बैठक में कई राज्य देश में लॉकडाउन बढ़ाने के पक्ष में थे वहीं, कई राज्यों ने ग्रीन जोन में इसमें छूट देने की मांग की। रेड जोन वाले इलाके में लॉकडाउन बढ़ाने पर आम सहमति नजर आई। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनार्ड संगमा ने राज्य में तीन मई के बाद भी लॉकडाउन को जारी रखने की बात कही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि तीन मई के बाद मेघालय में संक्रमण से मुक्त इलाके के रूप में चिह्नित किये गये 'ग्रीन जोन में ही लॉकडाउन से आंशिक छूट दी जायेगी।

सीएम बघेल ने छत्तीसगढ़ की बेहतर स्थिति से कराया अवगत

रायपुर/नवप्रदेश। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम बघेल ने प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की स्थिति से अवगत कराया। बता दें कि कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के मामले में छत्तीसगढ़ की स्थिति काफी बेहतर हैं। यहां अब तक सिर्फ 37 मामले ही सामने आए। इनमें से 32 को डिस्चार्ज कर दिया गया है और अब एक्टिव सिर्फ 5 केस बचे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में छत्तीसगढ़ से स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, मुख्य सचिव आरपी मंडल, पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, स्वास्थ्य विभाग की सचिव निहारिका बारिक सिंह, मुख्यमंत्री की उप सचिव सौम्या चौरसिया इस अवसर पर उपस्थित थीं।

पीएम कार्रवाई करें देश नहीं करेगा माफ

राहुल गांधी ने टेस्टिंग किट्स खरीद में लगाया घोटाले का आरोप

नई दिल्ली ए.। देश में कोरोना वायरस रैपिड किट्स की कीमत को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना किट्स खरीद में घोटाले का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने इस भ्रष्टाचार को सभी देशवासियों का अपमान बताया। पार्टी के कई दूसरे नेताओं ने भी टेस्टिंग किट्स में मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी में खराब पीपीई किट को योगी लेकर सरकार पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, कोई इंसान अपने लाखों भाइयों और बहनों की अथाह पीड़ा से भी मुनाफा कमाने की कोशिश करेगा यह विश्वास और समझ से परे है। यह घोटाला हर भारतीय का अपमान है। मैं पीएम से अपील करता हूं कि भ्रष्टाचारी को न्याय में लाने के लिए तेजी से कार्रवाई करें।' राहुल गांधी ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स पर यह टिप्पणी की जिनमें कहा गया है कि आईसीएमआर को बेचे गए टेस्ट किट्स में 145 पर्सेंट मुनाफा कमाया गया।'' राहुल गांधी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

यूपी में पीपीई किट में भ्रष्टाचार : प्रियंका

प्रियंका वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के मेडिकल कालेजों में खराब किट की खरीदे जाने पर हैरानी जताई और आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस खरीद में हुए भ्रष्टाचार के उजागर होने से परेशान है। उन्होंने सवाल किया कि जो सरकार इस भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश में थी ,क्या वह दोषियों के खिलाफकार्रवाई करेगी। उन्होंने ट्वीट किया ''उत्तर प्रदेश के कई सारे मेडिकल कालेजों में खराब पीपीई किट दी गई थीं। ये तो अच्छा हुआ सही समय पर वो पकड़ में आ गई तो वापस हो गई और हमारे योद्धा डाक्टरों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं हुआ। लेकिन हैरानी की बात ये है कि राज्य सरकार को ये घोटाला परेशान नहीं कर रहा है बल्कि ये परेशान कर रहा है कि खराब किट की खबर बाहर कैसे आ गई। ये तो अच्छा हुआ कि खबर बाहर आ गई वरना खराब किट का मामला पकड़ा ही नहीं जाता और ऐसे ही रफा-दफा हो जाता। क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी।

दुनिया में 2 लाख से ज्यादा मौतें, 30 लाख संक्रमित

बीजिंग/ जिनेवा/ नई दिल्ली। दुनिया में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है और विश्वभर में अब तक इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 30 लाख के करीब पहुंच गई है। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र की ओर से जारी किए गए आंकड़े मुताबिक दुनियाभर में इस जानलेवा विषाणु से अब तक 29.98 लाख लोग संक्रमित ■ शेष पृष्ठ 6 पर

24 घंटे में कोरोना से देश में रिकॉर्ड 60 लोगों की मौत

नई दिल्ली ए.। भारत में विदेशी नागरिकों सहित कोरोना वायरस महामारी से संक्रमित होने वालों की संख्या सोमवार (27 अप्रैल) को बढ़कर 28,380 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में कहा कि देश में कोविड-19 संक्रमण के चलते 886 मौतें हुई हैं और वर्तमान में कुल 21,132 व्यक्ति महामारी से संक्रमित हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1463 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 60 लोगों को इस वायरस की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना से संक्रमित 381 लोगों के स्वस्थ होने के साथ ऐसे लोगों की संख्या 6362 (1 माइग्रेटेड) पर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार (27 अप्रैल) जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में अब तक 342 मौतें हुई हैं, जबकि मध्यप्रदेश में 106 लोगों को इस वायरस ने लील लिया है। वहीं, गुजरात में संक्रमण के चलते 151 और उत्तर प्रदेश व दिल्ली में क्रमशः 31 और 54 लोगों की जान गई है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोटा से छात्रों को ला रही बस को ट्रैलर ने मारी कट

■ छात्रा के चोटिल होने की खबर, शिवपुरी के आसपास के इलाके में हुआ हादसा

शिवपुरी/नव प्रदेश। छत्तीसगढ़ के बच्चों को राजस्थान के कोटा से लेने गई बस को शिवपुरी के पास एक ट्रैलर ने कट मार दी। इस घटना में बस को स्क्रैच आई है। हालांकि बस में सवाल सभी छात्र-छात्राएं सुरक्षित हैं। यह जानकारी बसों की सुरक्षा में चल रहे रायपुर के आरटीओ इंस्पेक्टर पीके साहू ने नवप्रदेश को दी। उन्होंने बताया कि शिवपुरी के आसपास एक ट्रैलर ने छत्तीसगढ़ के बच्चों को कोटा से ला रही बसों में से एक को कट मार दी जिसके कारण उस बस को स्क्रैच आई है। वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बस में सवार एक छात्रा इस घटना में चोटिल हुई है। इस छात्रा का नाम ऋषिका चौबे बताया जा रहा है। यह ममता नगर, राजनांदगांव की बताई जा रही है। छत्तीसगढ़ से बच्चों को ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एम्स अधिकारी के संपर्क में आए सभी 66 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव

■ एम्स प्रबंधन ने ट्वीट कर दी जानकारी

■ एम्स रायपुर के नर्सिंग अधिकारी की जांच रिपोर्ट आई थी पॉजिटिव

रायपुर/नव प्रदेश। कोरोना संकट के बीच छत्तीसगढ़ के लिए अच्छी खबर है खासकर राजधानी रायपुर के लिए। एम्स के जिस नर्सिंग अधिकारी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, उसके संपर्क में आए सभी 66 लोगों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। एम्स प्रबंधन ने बकायदा इस बात की जानकारी सार्वजनिक करते हुए ट्वीट भी की है। एम्स की ओर से कहा गया है कि नर्सिंग अधिकारी के संपर्क में आने वाले सभी लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव है, अतः चिंता करने अथवा डरने की बात नहीं है। एम्स के नर्सिंग अधिकारी के कोरोना पॉजीटिव आने के बाद से ही उनके घर फूलचौक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कश्मीर में 24 घंटे में सात आतंकी ढेर

श्रीनगर/नवप्रदेश। कश्मीर में 24 घंटे में सुरक्षाबलों ने सात आतंकवादियों को मार गिराया है। दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर हो गये। कुलगाम में पिछले 24 घंटों के भीतर यह दूसरी मुठभेड़ है। इससे पहले रविवार की रात मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गये थे। रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने बताया कि श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड मे लोवर मुंडा के समीप सुरक्षा बल के गश्ती ■ शेष पृष्ठ 6 पर

दो चीनी कंपनियों के रैपिड टेस्टिंग किट राज्य न करें इस्तेमाल : आईसीएमआर

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमार) ने रैपिड एंटीबॉडी ब्लड टेस्ट को लेकर राज्यों को जारी अडवाइजरी में बदलाव करते हुए दो चाइनीज कंपनियों के रैपिड टेस्ट किट का इस्तेमाल रोकने को कहा है। ये दो कंपनियां हैं, गुंझाऊ वूंडफो बायोटेक और झुआई लिवजन डायग्नोस्टिक्स। आईसीएमआर ने यह कदम कई राज्यों की ओर से इन टेस्टिंग किट की गुणवत्ता को लेकर शिकायत के बाद उठाया है। आईसीएमआर ने कहा है कि उसने इन किट्स की जांच की। इनकी संवेदनशीलता में काफी भिन्नता देखी गई। राज्यों से कहा गया है कि वे इन दो कंपनियों के टेस्टिंग किट का इस्तेमाल रोक दें और सप्लायर्स को किट वापस ■ शेष पृष्ठ 6 पर

टेस्टिंग किट कीमत पर उदित राज को जवाब

इससे पहले आईसीएमआर ने कोरोना वायरस टेस्टिंग किट की कीमत को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज के ट्वीट का जवाब दिया। आईसीएमआर ने ट्वीट किया, ''यह फेक न्यूज है। आईसीएमआर की ओर से आरटी-पीसीआर के लिए 740-1150 रुपए का रेंज स्वीकृत है, जबकि रैपिट टेस्ट के लिए 528-795 रुपये का। कोई भी टेस्ट किट 4500 रुपए में नहीं खरीदा गया। कोई भी भारतीय कंपनी कम कीमत पर सप्लाई ■ शेष पृष्ठ 6 पर

दुनिया में 82.1 करोड़ लोग रोज रात भूखे सो रहे

आपूर्ति श्रृंखला बरकरार रखना जरूरी नहीं तो समस्याएं होगी विकराल: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (ए.)। विश्व खाद्य कार्यक्रम के प्रमुख ने कहा है कि वह विश्व के सबसे धनी कुछ देशों के नेताओं से फोन पर संपर्क में हैं और उन्हें एक अहम संदेश दे रहे हैं कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी न सिर्फ उनकी अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही है बल्कि संवेदनशील और संघर्ष ग्रस्त देशों पर भी असल डाल रही है जहां लाखों लोग भुखमरी का सामना करने पर मजबूर हो जाएंगे अगर ये देश भोजन के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को दी जाने वाली आर्थिक सहायता को रोकते या कम करते हैं।

डेविड बिसले ने एसोसिएटेड प्रेस के साथ साक्षात्कार में कहा कि वह नेताओं को बता रहे हैं कि आपूर्ति श्रृंखला को बरकरार रखना जरूरी है और इसमें कई संभावित बाधाएं हैं जैसे निर्यात पर लगे प्रतिबंध, सीमाओं एवं बंदरगाहों को बंद करना, खेत में फसलों का न उपजना और सड़कों का बंद रहना। उन्होंने कहा, अगर हमारे पास पैसा और पहुंच हो तो हम सूखे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भुखमरी की वैश्विक महामारी के कगार पर

बिसले ने कहा, लेकिन अगर हमें आर्थिक सहायता नहीं मिलेगी या आपूर्ति की कड़ियां बाधित होती हैं तो यह आपदा बन सकती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पिछले हफ्ते आगाह किया था कि जहां विश्व कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपट रहा है वहीं वह ''भुखमरी की वैश्विक महामारी के कगार पर है और अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो कुछ ही महीनों के भीतर यह बड़े पैमाने के कई अकाल ला सकता है।

न्यूज गैलरी

बस्तर के ग्रामीण मनरेगा के तहत चारागाह भूमि में बाड़ी एवं नर्सरी निर्माण कार्य संचालित करने पर खुश

बस्तर। भारत सरकार द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लॉक डाउन लगाया गया है, वहीं इस विषम परिस्थिति में लोगों को रोजगार व राहत देने के लिए भी अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत विकास के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला-बस्तर, विकासखण्ड-तोकापाल, ग्राम पंचायत- बड़े मारेंगा में भी महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत विकास के कार्य कराए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव, श्री सुरेंद्र मौर्य ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार देने और गांव के विकास मूलक कार्य करवाने के लिए मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत के चरागाह में साग-सब्जी लगाने हेतु बाड़ी और सड़क किनारे फलदार पौधे लगाने के लिए नर्सरी रोपणी का निर्माण का कार्य प्रारंभ किए गए हैं। श्री मौर्य ने बताया किकोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को ध्यान में रखकर, सोशल डिस्टेसिंग व आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, प्रतिदिन 15 से 20 जॉब कार्डधारियों से कार्य करवा रहे हैं। गांव के जॉब कार्डधारी मजदूरों ने मनरेगा के तहत चारागाह भूमि में बाड़ी एवं नर्सरी निर्माण कार्य संचालित करने पर बहुत खुश हुए हैं। इस विकास कार्य के लिए लोगों ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री जी प्रति आभार और धन्यवाद दिया हैं।

कांकेर की जानकी राजाराम को मिला प्रधानमंत्री जनधन योजना का लाभ

कांकेर। कोविड-19 से बचाव के लिए लॉकडाउन के दौरान भारत सरकार की कोरोना वायरस जैसी आपत्ति के समय आम नागरिकों को ध्यान में रख कर बहुत सी योजनाये व् सहायता प्रदान की जा रही है जिससे इस आपत्ति के समय किसी भी नागरिक को जीवन व्यापन में समस्या ना आये, सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा लोगो को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत जनधन खाते में 500 रुपये जमा होने से लोगों को काफी राहत मिली है. योजना की लाभार्थी ग्राम नवागांव भावगिर, कांकेर की रहने वाली जानकी राजाराम को उनके जनधन खाते में पांच सौ रूपए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने इस सहायता राशि के लिएप्रधानमंत्री जी का धन्यवाद किया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर कर रही हैं रेडी-टू-ईट पोषक आहार का वितरण

दुर्ग। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सभी आंगनवाड़ी और मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों को बंद कर दिया गया है। दुर्ग जिले के आंगन बाड़ी केंद्रों बच्चों और महिलाओं के पोषण स्तर को ध्यान में रखते हुए लॉकडाउन की अवधि में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जिले के 1502 आंगनवाड़ी केंद्रों में लगभग 90 हजार हितग्राहियों को घर-घर जाकर रेडी-टू-ईट पोषक आहार का वितरण किया जा रहा है। मार्च माह तक का टेक होम राशन वितरण का काम पूरा हो चुका है और अप्रैल माह का वितरण हितग्राहियों को किया जा रहा है। हितग्राहियों को गर्म भोजन के स्थान पर सूखा राशन वितरित करने की व्यवस्था की गई है। बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा के लिए डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से व्यवस्था की गई है। बच्चों के सही विकास की जानकारी अभिभावकों तक पहुंचाना भी जरूरी है। इसलिए छत्तीसगढ़ी बोली में बालगीत, कहानी, कविता के वीडियो के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर जागरूक कर रही है। इसके साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गृहभेंट कर लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के संबंध में भी जानकारी दे रही है। गर्भवती माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य का भी ध्यान स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा रखा जा रहा है। लॉकडाउन अवधि में हितग्राहियों को प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत लाभ पहुंचाया गया है।

रासयो छात्र-छात्राएं आमजनों को आरोग्य सेतु ऐप के संबंध में कर रहे हैं जागरूक

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के नसक्ल प्रभावित बस्तर के जिला मुख्यालय, जगदलपुर में संस्थापित बस्तर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के समन्यवक एवं प्रोफेसर पद पर कार्यरत डॉ. डी. एल. पटेल ने कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रसार, जोखिम और बचाव एवं उपचार के लिए केंद्र सरकार द्वारा लॉन्च आरोग्य सेतु ऐप को अपने मोबाइल में डाउनलोड किया है। उन्होंने बताया कि बस्तर विश्विद्यालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की 179 इकाईयां महाविद्यालयों व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं लगभाग छह हजार छात्र-छात्राएं अरोग्य सेतु ऐप में रजिस्टर्ड हो चुके हैं। श्री पटेल ने बताया एनएसएस के युवाओं ने अपने गाँव में रह कर कोरोना वायरस से बचाव के लिए अरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने हेतु लोगों को प्रेरित कर रहे हैं और लोगों में जागरूकता का संचार कर रहे हैं।

लॉकडाउन में ढील, सोशल डिस्टेंस का नहीं हो रहा पालन

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिला प्रशासन द्वारा लाकडाउन में दियें गये ढील से नगर की सभी दुकाने खुलने के बाद सोशल डिसटेंस का पालन नही हो पा रहा है लोग सामान खरीदने बडी संख्या में नगर की सडको पर निकलने लगे है। वही आवक की कमी के चलते व्यापारियों द्वारा कालाबाजारी भी बडने लगी है। व्यापारियों ने सभी चीजों का मूल्य तेजी से बडा दिया है।

गौरतलब हो कि केंद्र सरकार द्वारा रविवार से सभी दुकानें खोलने की अनुमति दी थी, जिसके बाद रविवार की सुबह से ही व्यापारियो ने अपनी दुकानें खोलनी शुरू कर थी, जिसके कारण नगर में लोगो की आवाजाही अचानक बढ़ने लगी, जिसकी सूचना मिलने के बाद अनुविभागीय अधिकारी सहित नगर पालिका के कर्मचारियों ने नगर के गोल बाजार पहुच दुकानों का मुआयना किया, जिसके चलते व्यापारियों और अधिकारियों में बहस हो गई, मिली जानकारी के अनुसार कुछ दुकानों के चालान काटने के साथ साथ खुली दुकानों को बंद कराया गया।

गोलबाजार में अधिकारियों और व्यापारियों में तीखी बहस - दुकान बंद कराने निकले अधिकारियों और व्यापारियों के बीच जमकर बहस हुई, व्यापारियों ने अनावश्यक रूप से परेशान करने का हवाला दिया, व्यापारियों ने कहा कि लगभग एक महीने बाद दुकान खोले हैं उसके तुरंत बाद अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रतिष्ठानों का गुमास्ता व लाइसेंस मांगा जा रहा है, वही अधिकारियों का कहना है कि कुछ दुकानों का गुमास्ता व लाइसेंस रिनिवल नही हुआ था, जिसके कारण कुछ दुकानों का चालान काटा गया है, वही दुकानदारो ने गुमास्ता व लाइसेंस बनवाने के लिए समय मांगा है,, व्यापारियों का कहना है कि वर्तमान समय में हम आर्थिक तंगी से गुजर रहे है, इन सभी विभागीय प्रकियाओं के लिये कुछ दिन का समय मांगा हैं।

होटल व्यवसायी और अन्य दुकान दारों की भी उठने लगी मांग - चैम्बर आफ कार्मस के उपाध्यक्ष एवं होटल व्यावसायी स्वतंत्र मिश्रा ने जिला प्रशासन से अपील की है कि जिस प्रकार नगर की लगभग 80 प्रतिशत दुकानों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्रतिष्ठान खोलने की अनुमती प्रदान की गई है उसी तरह होटल व्यवसाय को भी नियमों का पालन करते हुए शिर्फ काउंटर सेलिंग की अनुमती दी जाए है।

बाजार खुलते ही उमड़ पड़ी लोगों की भीड़

■ कई दुकानदार नही कर रहे सोशल डिस्टेंस नियम का पालन

बिलासपुर। कुछ समझदार लोग जहां सोशल डिस्टेंस का पालन कर भी रहे हैं तो वहीं दूसरे उनके करीब आकर उनके प्रयास की धज्जियां उड़ा दे रहे हैं। पुलिस भी शायद अब समझा समझा कर थक चुकी है। पुलिस को भी समझ आ गया कि भारत के अधिकांश लोग अपनी भलाई के लिए भी अनुशासन में रहने की तमीज नहीं रखते। कुछ लोग शायद डंडे की ही भाषा समझते हैं। असल में यह लोग अभी भी कोरोनावायरस की भयावहता को समझ नहीं पा रहे, क्योंकि उन्होंने इटली और अमेरिका की तरह लाशों के ढेर नहीं देखें है। लेकिन ऐसे लोगों को भी समझना होगा कि कोरोनावायरस ऐसा संक्रमण है जो कभी भी, कहीं भी कहर बरपा सकता है, इसलिए सावधानी से बढ़कर कोई उपाय नहीं। जान है तो जहान है। यह भौतिक जरूरत की चीजें तभी उपयोगी होंगी जब इंसान की जिंदगी बचेगी। लेकिन कुछ घंटों की मोहलत मिलने से लोग बिल्कुल उसी तरह सड़क पर उतर आते हैं जिस तरह से मुंबई लोकल ट्रेन के स्टेशन पर रुकते ही बोगी से लोग हजारों की संख्या में बाहर आ जाते हैं। यही वजह है कि स्थानीय प्रशासन को बार-बार लॉक डाउन के नियमों में परिवर्तन करना पड़ रहा है। फिर भी लोग ना तो समझ रहे हैं और ना ही पूरी इमानदारी से इसका पालन कर रहे हैं। ऐसे में वे लोग खुद को ठगा हुआ महसूस करते हैं जो पूरी ईमानदारी के साथ लॉक डाउन का पालन कर रहे हैं, घरों में रह रहे हैं और देश की खातिर सारी तकलीफ भी उठा रहे हैं। भीड़ में एक दूसरे से सटे कई लोग तो ऐसे भी नजर आए जिन्होंने मस्कबतक नहीं पहना था। ऐसे लोगों को जब टोका गया तो उन्होंने बड़ी बेफिक्री से कहा किया अरे, कुछ नहीं होता। हमको कोरोना नहीं होगा। ऐसा सुनकर लगा मानो कोरोना वायरस ने पिछली रात को ही उससे मुलाकात कर उससे यह वादा किया है। अब ऐसे नासमझ लोगों को पुलिस डंडे नहीं मारे तो फिर और क्या करें।

दिव्यांग बालक के दान को विधायक ने बताया महादान

बिलासपुर। कोरोनावायरस के संकट से जूझ रहे भारत को भी इस संकट से बचाने के लिए ऐसे ही छोटे-छोटे प्रयास भी सार्थक सिद्ध हो रहे हैं। दान की विशेषता हमेशा से भावनाओ से रही है ना कि आकार से। एक बार फिर ऐसे ही छोटे मगर महादान ने सबको प्रभावित किया। कोरोना वायरस के साथ जारी लड़ाई के लिए प्रधानमंत्री केयर, मुख्यमंत्री राहत कोष और रेड क्रॉस को लोग खुले हाथों से दान कर रहे हैं

सोमवार को मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम मोहरा के बरेली से एक दिव्यांग बच्चे का दान शायद उन सब पर भारी है। अपने गुल्लक में जमा करीब 1000 रु को मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान करने के लिए यह दिव्यांग बच्चा बिलासपुर विधायक शैलेश पांडे के निवास पहुंचा। जहां उसने अपनी भावनाओं से विधायक को अवगत कराया। लक्ष्मी रजक नाम के इस दिव्यांग बालक की भावनाओं को नमन करते हुए बिलासपुर विधायक ने भी कहा कि संकट की इस घड़ी में यही सच्ची देशभक्ति है। यह रकम भले ही छोटी हो लेकिन बच्चे की भावनाएं हिमालय से भी ऊंची है। देश का बच्चा बच्चा समझ रहा है कि संकट की घड़ी में उनके गुल्लक में जमा रकम भी किसी की भूख मिटा सकती है और वे खुले दिल से इसे दूसरों को दे भी रहे हैं

25 सौ छात्रों को लेकर आने वाली 75 बसों का काफिला रवाना, देर रात तक पहुंचने की संभावना

■ सभी बच्चों को 14 दिन तक रहेंगे क्वॉरेंटाइ में, जगदीश लॉज में कोरनटाइन रहे बच्चों को सौंपा गया पालकों को

बिलासपुर। लंबे जद्दोजहद के बाद कोटा से करीब 25 सौ छात्रों को लेकर बसे सोमवार को छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हो गई। एजुकेशन हब राजस्थान के कोटा में छत्तीसगढ़ से भी हजारों की संख्या में विद्यार्थी कोचिंग के लिए गए थे। लॉक डाउन के कारण सभी वही फस गए थे जिसके बाद से उनके परिजन लगातार शासन के समक्ष उनकी वापसी के लिए गुहार लगा रहे थे। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ सरकार ने भी पहल करते हुए 75 बसें भेजी। पूरी जांच-पड़ताल के बाद करीब 2500 छात्रों को लेकर यह बसें सोमवार को रवाना हो गई जो देर रात तक राजधानी रायपुर पहुंचेगी। इसके बाद सभी छात्रों को उनके जिला मुख्यालय भेजा जाएगा, वहीं रायपुर पहुंचने के बाद बिलासपुर क्षेत्र के छात्रों को देर रात या कल सुबह शहर लाया जाएगा। जहां नियमानुसार उन्हें 14 दिन के क्वॉरेंटाइन पर रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें परिजनों से भी मिलने की इजाजत नहीं होगी। जब तक वे क्वॉरेंटाइन रहेंगे तब तक उनके रहने और खाने की व्यवस्था भी राज्य सरकार ही करेगी।

बिलासपुर में जैन इंटरनेशनल स्कूल और कुछ अन्य स्थानों पर इन बच्चों को ठहराया किया गया है जिसका जायजा रविवार को बिलासपुर विधायक शैलेश पांडे ने लेते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराया।

वहीं इससे पहले खेप में बिलासपुर पहुंचे जो बच्चे सदर बाजार स्थित जगदीश लॉज में ठहराये गए थे उन्होंने अपने क्वॉरेंटाइन की मियाद पूरी कर ली जिन्हें आज अपने अपने घरों के लिए रवाना कर दिया। घर जाने के दौरान सभी छात्रों के चेहरे खिले नजर आए तो वही अब उनकी घर वापसी को लेकर उनके अभिभावक भी बेहद उत्साहित और खुश दिखे। लॉक डाउन के कारण राजस्थान के कोटा में फंसे बच्चे मायूस और परेशान हो रहे थे। घर वापसी की राह आसान कर प्रदेश सरकार ने उन्हें बड़े संकट से उबारा है, इसलिए अभिभावक मुख्यमंत्री और राज्य शासन के प्रति आभार जता रहे हैं।

जल्द ही खुटाघाट में बनेगा क्रोकोडाईल पार्क

■ निरीक्षण के लिए पहुंचे डीएफओ, कहा - स्थानीय लोगों को भी इससे मिलेगा रोजगार

बिलासपुर। रतपुर खूंटाघाट को क्रोकोडाइल पार्क बनाने की योजना बनाई जा रही है जिसका आजा फारेस्ट विभाग के आलाधिकारियों ने निरीक्षण किया।

अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के तहत चलता रहा तो बिलासपुर जिले को खुटाघाट में दूसरा कोकोडाईल पार्क मिल सकता है। बिलासपुर जिले के मस्तूरी के करीब कोटमी सोनार में जिले का पहला कोकोडाईल पार्क बनाया गया था। वही रतनपुर क्षेत्र के खुटाघाट बांध में बड़ी संख्या में मगरमच्छ होने और उनके लगातार आसपास के क्षेत्र में फैलने के मद्देनजर क्षेत्र में भी मगरमच्छ अभयारण्य बनाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। सोमवार को इसी मुद्दे पर स्थल निरीक्षण और सर्वे के लिए बिलासपुर वन विभाग के डीएफओ सत्यदेव शर्मा रतनपुर के पशु चिकित्सक डॉ शशि सिंह और रतनपुर रेंजर सी आर नेताम के साथ खूंटाघाट पहुंचे। यहां खुटाघाट जलाशय के वेस्ट वियर क्षेत्र के करीब डेढ़ से 2 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मगरमच्छ के प्रजनन और प्राकृतिक आवास के लिए अनुकूल पाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थान पर हेचरी का निर्माण किया जा सकता है, जिससे प्राकृतिक रूप से मगरमच्छों की संख्या बढ़ सकती है। इसके लिए वेस्ट वियर क्षेत्र के आसपास मौजूद खाली जमीन पर जालीदार बाड़ लगाकर उनके लिए सुरक्षित आवास बनाया जा सकता है और प्रजनन काल के बाद मगरमच्छ को वापस खुटाघाट बांध में भी उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सकता है।

नाली में गिरे फल को दोबारा बेच रहा था ठेला संचालक, वीडियो देख सिविल लाइन टीआई ने की कार्रवाई

बिलासपुर। एक तरफकोरोना की मार और लॉक डाउन का दंश झेल रहे लोगों को कुछ घण्टे बाहर निकल कर सामने खरीदने की इजाज़त है। इन परिस्थितियों में अगर कोई व्यापारी ग्राहकों की आंख में धूल झोंक कर अपने फायदे के लिए बीमारी परोस रहा है तो लाज़मी है उस पर कार्रवाई हो, ऐसे ही एक फल बेचने वाले पर सिविल लाईन पुलिस ने कार्रवाई की। दरअसल संजय कुमार गुप्ता गोड़पारा का रहने वाला है, वह पूल चौक के पास फल का ठेला लगाता है, आज सुबह कैरेट से फल निकालकर ठेले में रखते समय उसका कुछ फल ठेले से नाली में गिर गया, जिसके बाद उसने बड़ी सावधानी से लोगो से नजर बचाकर नाली में गिरे फल को उठाकर साफकरके दोबारा लोगों को बेच रहा था, जिसका वीडियो किसी ने बनाया था, यह वीडियो वायरल हुआ, तो सिविल लाइन थाना प्रभारी परिवेश तिवारी को प्राप्त हुआ। जिसके बाद फ़ल व्यापारी को पकड़कर पुलिस थाने ले आई है, और उसका फल जब्त कर उसके खिलाफ वैधानिक धारा 188 के तहत कार्रवाई की गई।

अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत करने हाईकोर्ट का निर्देश

बिलासपुर। करोना संक्रमण के संकट काल में जरूरतमंद अधिवक्ताओं को आर्थिक मदद करने और उन्हें अन्य सहायता प्रदान करने के लिए लगाई गई याचिका पर छत्तीसगढ हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत करने बार काउंसिल ऑफ इंडिया और स्टेट बार काउंसिल को निर्देश दिया है।

5 साल की अदीबा ने रखा अपना पहला रोजा

■ भीषण गर्मी के बाद 14 घण्टे का रोज़ा रखकर मिशाल कायम की

काँकेर। मुस्लिम समाज का रमज़ान का पवित्र महीना चल रहा है।इस महीने में मुस्लिम समाज के छोटे बड़े बुजुर्ग के अलावा नन्हे बच्चे भी पाक महीना रमज़ान में रोजे रखकर खुदा की इबादत में लगे हुए है। आरईएस कॉलोनी के पास रहने वाली नन्ही बच्ची अदीबा नूरी पिता इमरान खान ने 5 साल 11वें दिन में रमज़ान शरीफका अपना पहला रोजा रखा।इस नन्ही सी जान ने अप्रैल महीने के भीषण गर्मी के बावजूद 14 घण्टे चलने वाले रोजा रखकर मिशाल कायम किया है।

पशु पक्षियों के लिए पानी टंकी रखने महापौर ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। हर साल की तरह इस साल भी भारतीय गौ कांति मंच के द्वारा गौ माता के लिए पानी की टंकी व चिड़िया के पात्र रखवाए जा रहे हैं जिसको नगर निगम के महापौर रामशरण यादव, पशुपालन विभाग के आर. के सोनवानी ने हरी झंडी दिखाकर आरंभ किया। गर्मी आते ही पशु पक्षियों को दाना पानी के लिए जगह जगह भटकना पड़ता हैं इसे देखते हुए शहर में गैसेवा के लिए तत्पर भारती गौ क्रांति मंच ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर के विभिन चौक चैराहो में गाय, के साथ अन्य पशुओं के लिए 70 से अधिक हौदी कोटना और चिड़ियों के लिए 150 से अधिक सकोरे रखे गौ क्रांति मंच के प्रदेशाध्यक्ष विपुल शर्मा ने कहा कि गर्मी के सीजन में हर व्यक्ति एक पानी की टंकी मँगवाये और उसमे पानी भरे एक मुट्ठी चावल ले और अपने पितरो को समर्पित करते हुए उस टंकी में डाल दे। अपने पितरो से निवेदन कर उनको याद करे गौमाता को पुकारे और रोज उसमे पानी भरे आपके पितरो को सन्ति मिलेगी और बैकुंठ में वाश होगा और आपको दिल से आशिर्वाद देंगे। आपका पितृदोष ठीक होगा आपकी ग्रह दशा ठीक होगी माँ लक्ष्मी का वास होगा ये पानी की टंकी आप अपने घर और दुकानों में रख सकते है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, बर्तन व जररूत की दुकानों को सप्ताह में 2 दिन खोलने की मिली अनुमति

■ सँयुक्त व्यापारी संघ ने कलेक्टर से की मुलाकात

■ ग्रीन ज़ोन की दुकानों को खोलने मांगी अनुमति

ऑरेन्ज ज़ोन में खुल रही मोबाइल दुकान

काँकेर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज इकाई कांकेर एवं प्रदेश कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ संयुक्त ,कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदेश मंत्री कैट ने काँकेर के व्यापारियों की तरफ से एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से मुलाकात कर समयानुसार दुकान खोलने की अनुमति प्रदान करने ज्ञापन सौपा।छ.ग.चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्ड के प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश मंत्री राधाकृष्ण मोटवानी हरनेक सिंह औजाला कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश मंत्री हाजी वली मोहम्मद मोहम्मद आरिफने बताया की कोविड-19 के चलते लॉकडाउन को 3 मई तक बढ़ा दिया गया है। किन्तु ग्रीनजोन में आने वाले क्षेत्रों को वर्तमान में जिलाधीश की सहमति से निर्धारित समय के लिए खुलने की अनुमति दी जा रही है। किन्तु बस्तर सम्भाग के साथ साथ कांकेर जिला ग्रीन जोन में होंने के बाद भी आज पर्यन्त ग्रीनजोन में होने के लाभ से वंचित है। चुंकि यह वनांचल आदिवासी बाहुल्य एवं पिछड़ा हुआ क्षेत्र है अतः यहां रोजगार हेतु व्यवसायिक जरूरतों को पूर्ण करने एवं व्यवसाय करने की यदि आपके द्वारा अनुमति दी जाये तो छोटे व पिछड़े व्यापारिक वर्ग को राहत मिलेगी व जीवनयापन सुचारू रूप से चल पाएगा। साथ ही व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत लोगों को भी रोजगार उपलब्ध होगा। इस हेतु आपके द्वारा दिये जाने वाले व्यवसायिक समयावधि व सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन करेंगे।

मोबाइल संघ ने माना नवप्रदेश का आभार

बता दे की मोबाइल संघ के दुकानों को अनुमति नही मिलने की व शासन प्रशासन की हर शर्त मानने को तैयार होने के बावजूद जिलाधीश के द्वारा अनुमति नही मिलने की खबर को हमने बड़ी ही प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था ।जिसके बाद सोशल मीडिया में मोबाइल संघ के ज़बरदस्त विरोध के बाद चेम्बर व छत्तीसगढ़ चेम्बर सहित कैट के अथक प्रयास से ज़रूरत की दुकानों को खोले जाने की अनुमति मिलने के बाद मोबाइल संघ ने नवप्रदेश का आभार माना

■ न्यूज गैलरी

किसान गजेन्द्र ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को किसानों के लिए अच्छी पहल

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ के जिला-रायपुर, ग्राम पंचायत-सिलतरा के रहने वाले किसान गजेन्द्र कुमार वर्मा को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत रुपये 2000/- बैंक खाते के माध्यम से प्राप्त हुए हैं । उन्होंने बताया कि इस कोरोना वायरस महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन से उत्पन्न कठिन समय में, गांव के खेतिहर मजदूर, किसान एवं जरूरतमंदो के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लाभप्रद साबित हुई है। उन्होंने ने कहा कि इस सम्मान निधि के माध्यम से किसान अपनी व्यक्तिगत् आवश्यकताओं खेती से संबंधित जरूरी सामग्रियां जैसे खाद, बीज एवं अन्य आवश्यक संसाधन की खरीद सकते है । श्री गजेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि किसानों को दी जा रही यह सहायता राशि बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी कि इस किसान कलाणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्रीजी का हार्दिक धन्यवाद किया। साथ ही उन्होंने इसे गरीब किसान के लिए एक अच्छी पहल और सकारात्मक योजना बताया है।

हेमलता राजपूत को मिला प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का लाभ

रायपुर (नव प्रदेश)। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में लॉकडाउन के दौरान, गरीब और मजदूर वर्ग को परेशानी न उठानी पड़े, इसके लिए केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत एक लाख, सत्तर हजार करोड़ रूपये के राहत पैकेज की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत चालीस करोड़ महिला जन-धन खाताधारकों को आगामी तीन महीने तक हर महीने पांच सौ रूपये मिलेंगे । यह कदम गरीब और जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इन दिनों छत्तीसगढ़ के गांवों, कस्बों एवं शहरों के विभिन्न बैंको के सामने प्रधानमंत्री जनधन खाताधारी महिलाओं की कतार देखी जा सकती है । इन्हीं में से एक महिला खाताधारक हैं ग्राम-गोगांव, जिला- रायपुर की रहने वाली श्रीमती हेमलता राजपूत ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान उसका रोजगार प्रभावित हुआ है और इस समय उसे इन पैसों की सख्त जरूरत थी । उन्होंने कहा कि उनके जनधन खाते में पांच सौ रूपए प्राप्त हुए हैं, इन पैसों से अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में आसानी होगी। इसके अलावा उन्हें उज्जवला योजना से मुफ्त गैस सिलेण्डर और अन्न योजना से दो माह का राशन मिला है। इस सहायता के लिए श्रीमती हेमलता राजपूत ने भारत सरकार का धन्यवाद किया।

ओला-तूफान से प्रभावित पीड़ितों को मिले राहत : सीएम भूपेश

■ मुख्यमंत्री ने आंधी-तूफान, ओलावृष्टि की वजह से जान-माल सहित फसलों के नुकसान का सर्वे एवं आंकलन कर पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने कलेक्टरों के दिए निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

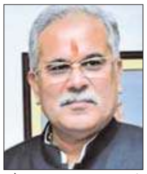

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के रायगढ़, जशपुर, सूरजपुर जिले सहित सरगुजा, बिलासपुर संभाग के अन्य जिलों में आंधी-तूफान एवं ओलावृष्टि के संबंध में संबंधित जिलों के जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने आंधी-तूफान, ओलावृष्टि की वजह से जान-माल सहित फसलों के नुकसान का सर्वे एवं आंकलन कर पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल के निर्देश पर सूरजपुर जिले के ग्राम भरवाही के 6 बेघर हुए परिवारों को फिलहाल शिवप्रसाद नगर के छात्रावास में अस्थाई तौर पर ठहरा कर उनके भोजन की निःशुल्क व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा कर दी गई है। ज्ञातव्य है कि 25 अप्रैल शनिवार की रात को सूरजपुर जिले में आए भीषण आंधी तूफान की वजह से 6 ग्रामीणों के घर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिला प्रशासन द्वारा इन बेघर परिवारों के सभी सदस्यों को छात्रावास में आश्रय प्रदान करने के साथ ही उनके भोजन की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर दीपक सोनी ने ग्राम भरवाही सहित आसपास के गांवों का दौरा कर आंधी तूफान और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान पीड़ित परिवारों से भी उन्होंने मुलाकात की और कहा कि शासन-प्रशासन द्वारा उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। कलेक्टर ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को आंधी तूफान और ओलावृष्टि की वजह से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कर पीड़ितों को राहत मुहैया कराने हेतु प्रकरण तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

बेमौसम बारिश से चिंतित जोगी ने लिखा राजस्व मंत्री को पत्र

प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने लगातार प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बारिश, ओला वृष्टि और तूफानी हवाओ से हुए नुकसान के प्रति गंभीर चिता जाहिर की है। इस संबंध में श्री जोगी ने राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को पत्र लिखकर राहत व रियायत की मांग की है। बेमौसम बारिश से प्रभावित गांवों के प्रति चिता जाहिर करते हुए उन्हों ने रिपोर्ट तैयार कर नुक्सान की भरपाई के लिए पत्र लिखा है। खासकर नए जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर को भी पत्र लिखकर बारिश-तूफान से हुई क्षति की रिपोर्ट तैयार कर दो मंत्रियों को भेजने की बात भी कही है। पूर्व मुख्यमंत्री व जोगी जनता कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो अजीत जोगी ने अचानक हुई बेमौसम बारिश में क्षति हुए ग्रामीणों के प्रति चिंता जाहिर करते हुए राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर शिखा राजपूत को पत्र लिखा है। पत्र में अजीत जोगी ने लिखा है कि- जिले में वर्षा, आंधी और ओलावृष्टि से ग्रामीणों को भारी क्षति हुई है कुछ लोगों के सिर से छत छिन गई है तो कुछ किसानों की फसलें तबाह हो गई है। वहीं गर्री, हर्री, मेंडूका, गांगपुर, बरवासन, खंता, गुम्माटोला, भस्कुरा, मसूरीखार, गुल्लीडांड और डोंगरिया में ओलावृष्टि से फसलों को भारी हानि हुई है। इसके अलावा जंगल के बीच बसे गांवों में तेज आंधी तूफान से क्षति होने वाले गांवों में कटरा, उसा?, बेलझिरिया, कांसबैरा शामिल हैं।

नए जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर से रिपोर्ट बनाने कहा

छग. के डॉक्टर-नर्स को राज्यसभा सदस्य तुलसी ने भेजी पीपीई किट

■ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पुनिया को दिल्ली में सौंपी 100 किट

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के नव-निर्वाचित सदस्य केटीएस तुलसी ने पीपीई किट भेजी है। राज्य में कोरोना से जूझ रहे लोगो को राहत देने वाले डॉक्टर-नर्सों की सुध ली है। राज्यसभा सदस्य श्री तुलसी ने सभी के लिए पीपीई किट की कमी को समझते हुए किट सौंपा है।

कोविड-19 के मरीजों की तीमारदारी में लगे छत्तीसगढ़ के डॉक्टर्स,नर्स और पारा मेडिकल स्टाफ भी पीपीई किट की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में राज्यसभा से नव निर्वाचित सदस्य और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता केटी एस तुलसी ने सूबे के डॉक्टर्स के लिए फौरीतौर पर सौ पीपीई किट का कंसाइमेंट दिल्ली से भेजा है। दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ भवन में छत्तीसगढ़ प्रभारी और राज्यसभा सांसद पीएल पुनिया और तुलसी ने पीपीई किट का कंसाइमेंट भवन के अधिकारियों को सुपुर्द किया। जल्द ही पीपीई किट रायपुर के लिए दिल्ली से रवाना कर दी जाएंगी।

बीएसपी ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराया 1 करोड़

■ सीएम ने जताया आभार

रायपुर। देश के साथ ही छत्तीसगढ़ में छाए कोरोना संकट के बीच भिलाई स्टील प्लांट ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 करोड़ रूपए का सहयोग राशि प्रदान किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर बीएसपी का आभार जताया है।

कोरोना संक्रमण से जूझ रहे देश के साथ छत्तीसगढ़ में इस माहामारी से निपटने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस महासमर में सभी वर्ग अपनी ओर से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इसी क्रम में भिलाई स्टील प्लांट ने भी अपना सहयोग देते हुए मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 करोड़ की सहयोग राशि जमा कराया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस सहयोग के लिए भिलाई स्टील प्लांट का आभार जताया है। अपने ट्वीटर एकाउंट में एक पोस्ट जारी करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लिखा- सेल, भिलाई स्टील प्लांट द्वारा कोरोना संकट से लड़ने हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष में 1 करोड़ रूपए की राशि का सहयोग दिया गया है। विपदा के समय में इस सहायता के लिए मैं भिलाई स्टील प्लांट का आभार व्यक्त करता हूं।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण की आहट के साथ ही इससे बचने के लिए कठोर कदम उठना शुरू कर दिया था। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में विश्व व्यापी इस माहामारी का असर काफी कम है और यहां संक्रमण पूरी तरह से नियंत्रित है। इस बात की चर्चा देश-विदेश तक में है कि छत्तीसगढ़ राज्य ने इस माहामारी से निपटने के लिए अब तक जो भी कदम उठाया है वह सराहनीय और प्रशंसनीय है।

लॉकडाउन तोड़ने वालों पर रिकार्ड कार्रवाई

प्रशासन ने 1549 पर दर्ज किया केस, 1346 हुए गिरफ्तार

■ बेवजह घूमते लोगों व 2294 वाहनों को भी किया जब्त

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए घोषित लॉकडाउन का मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में छत्तीसगढ़ में सख्ती से पालन किया जा रहा है। लॉकडाउन लागू होने के पश्चात इसका उल्लंघन करने पर अब तक पूरे प्रदेश में एक हजार 549 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज (एफआईआर) की गई है, वहीं एक हजार 346 लोगों को गिरफ्तार किया गया है साथ ही 2 हजार 294 व्हीकल जब्त किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देश के अनुरूप राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में भी लॉकडाउन घोषित किया गया है। कोरोना वायरस के फैलाव को खत्म करने के लिए लॉकडाउन जैसे प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं और उसका कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले लोगों पर पुलिस विभाग द्वारा सख्ती से कार्यवाही भी की जा रही है। कोरोना वायरस के फैलाव को खत्म करने के लिए लॉकडाउन जैसे प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं और उसका कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुसार लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले लोगों पर पुलिस विभाग द्वारा सख्ती से कार्यवाही भी की जा रही है।

वॉटर फिल्टर प्लांट में फिल्टर बेड मीडिया बदलने की जरूरत

■ शहर में तेजी से पैर पसार रहा है पीलिया

रायपुर। कोरोना संक्रमण के भीषण खतरे के बीच राजधानी में तेजी से पैर पसार रहे पीलिया की रोकथाम के लिए अब निगम के फिल्टर प्लांट में लगे फिल्टर बेड मीडिया को बदला जाएगा। वर्तमान में इसकी सफाई का कार्य चल रहा है।

निगम सूत्रों की माने तो महापौर के साथ ही निगम के अफसरों ने फिल्टर प्लांट में चल रहे मरम्मत कार्य और सफाई कार्य का जायजा लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया है। वर्तमान में प्लांट के अंदर स्थापित फिल्टर बेड मीडिया की सफाई की जा रही है, ताकि प्लांट से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति बाधित न हो। दूसरी ओर जानकारों का कहना है कि प्लांट में लगे फिल्टर बेड को बदलने की जरूरत महसूस हो रही है। इस बात की जानकारी महापौर के साथ ही जिम्मेदार अफसरों को दे दी गई है। सूत्रों ने बताया कि प्लांट के अधिकारियों ने महापौर को यह बता दिया है कि फिल्टर प्लांट के एक फिल्टर मीडिया बदलने के लिए 9 से 10 लाख रूपए की लागत आती है। इसके अलावा फिल्टर बेड की गहराई चार लेयर की होती है और फिल्टर बेड पांच लेयर की रहती है। जिससे पानी साफ किया जाता है। ज्ञात हो कि 1 50 और 80 एमएलडी प्लांट के 16 फिल्टर बेड का मीडिया बदला जाना है, इसके लिए अब निविदा जारी किया जाएगा। शहर में जिस तेजी से पीलिया अपना पैर पसार रहा है, इससे आने वाले समय में स्थिति भयावह हो सकती है। यही वजह है कि निगम का पूरा अमला शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। चूंकि वर्तमान में गर्मी भी बढ़ चुकी है, ऐसे में पानी की खपत भी बढ़ गई है।

दुर्घटना...

आरंग के पास सोमवार की सुबह एक मालवाहक पलट गया, 1 की मौत, मालवाहक में 6-7 मजदूर थे।

साक्षात्कार मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने दूरदर्शन लाइव के प्रोग्राम आपकी बातें में रखी अपनी राय

छत्तीसगढ़ में कोविड-19 से बचाव और आपदा प्रबंधन के व्यापक इंतजाम

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश के राजस्व आपदा प्रबंधन एवं वाणिज्यिक कर (पंजीयन) मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने आज दूरदर्शन रायपुर के 'आप की बातें' लाईव कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 से बचाव और आपदा प्रबंधन के संबंध में बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल मागदर्शन एवं निर्देशन में छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की रोकथाम, बचाव और नियंत्रण के लिए किए गए कारगार प्रयासों से ही राज्य में स्थिति नियंत्रित है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना के बचाव और नियंत्रण के लिए देश में सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष चरणदास महंत ने विधानसभा की कार्यवाही स्थगित की। राज्य में पूरी सर्तकता और सजगता से राज्य शासन ने जनस्वास्थ्य और लॉकडाउन में प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर इंतजाम किए गए हैं।

राजस्व मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 के बचाव एवं प्रभावितों के इलाज इत्यादि के लिए राज्य आपदा मोचन निधि एवं साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड की सीएसआर मद से 75 करोड़ रूपए की राशि स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि लॉकडाउन के कारण प्रभावित बेघर व्यक्तियों एवं प्रवासी श्रमिकों को अस्थायी शिविर में रखकर उन्हें भोजन, शुद्ध पेयजल और चिकित्सा सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाए। श्री अग्रवाल ने चर्चा में बताया कि राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को राहत शिविरों पर होने वाले व्यय के लिए 25-25 लाख रूपए अग्रिम आहरण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य शासन ने 466 अस्थायी राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं। राहत कार्य विभिन्न अशासकीय संस्थाएं भी सहयोग कर रही है।

श्री अग्रवाल ने बताया कि कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु देश व्यापी लॉकडाउन के बाद पंजीयन विभाग के समस्त पंजीयन कार्यालयों को बंद किया गया है। आगामी दिनों में केन्द्र शासन की गाईड लाईन के अनुसर कार्यवाही की जाएगी। राजस्व मंत्री ने दूरदर्शन के कार्यक्रम 'आप की बातें' के लाईव प्रसारण में विभिन्न श्रोताओं के सवालों के जवाब दिए। सवाल जवाब कार्यक्रम में गुजरात के सूरत में फंसे एक मजदूर मनीष ने उन्हें भोजन इत्यादि की व्यवस्था के लिए अनुरोध किया। मंत्री जी ने उन्हें उनकी समस्या के निराकरण के लिए आश्वस्त किया और उन्हें वही पर सावधानीपूर्वक रहने की बात कही। मंत्री श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को गुजरात में फंसे मजदूरों की भोजन सहित अन्य समस्याओं के निराकरण तत्काल करने के निर्देश दिए हैं।

रायपुर रेल मंडल में प्रतिदिन 135 140 मालगाड़ियों का परिचालन

■ लॉकडाउन में जरूरी सामान पहुंचाने चल रहे 08 से 10 स्पेशल पार्सन ट्रेन

नव प्रदेश संवाददाता

480 टन सामान पार्सल ट्रेनें रायपुर, दुर्ग स्टेशनों से देश के विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया

रायपुर। कोरोन वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण आदि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के दुर्ग एवं रायपुर स्टेशनों से होते हुए देश के अन्य क्षेत्रों में पार्सल स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 04 विशेष पार्सल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। दुर्ग छपरा दुर्ग दुर्ग अंबिकापुर दुर्ग दुर्ग कोरबा दुर्ग इतवारी टाटानगर इतवारी पार्सल एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जा रही है। इस संकट की घड़ी में एक-दूसरे की मदद हेतु आवश्यक सामग्री भेजने वालों को अच्छी सुविधा प्राप्त हो रही है। इस सुविधा के लिए अधिक से अधिक लोग आवश्यक सामग्री की बुकिंग के लिए आ रहे हैं।

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल द्वारा आवश्यक वस्तुओं का लदान किया जा रहा है । पुरे देश में लॉकडाउन की अवधि मे आवश्यक वस्तुओ व सेवाओं में कोई कमी ना आये इसके लिए भारतीय रेल में मालगाड़ियों एवं पार्सल गाड़िया चलाई जा रही हैं । भारतीय रेल की अहम भूमिका होने के कारण रायपुर रेल मंडल के अधिकारी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं एवं देश में लॉकडाउन के समय खाने-पीने का सामान, कोयला, फ र्टिलाइजर, चावल. अनाज, खाने का तेल, चीनी, डेयरी प्रोडक्ट, दवाईया, मेडिकल सामग्री, मसाले, फल सब्जियां, इत्यादि सामानों की आपूर्ति को सामान्य करने की जिम्मा संभाला है। विषम परिस्थितियों में भी पूरे देश में मालगाड़ियों का परिचालन लगातार हो रहा है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में पार्सल एवं मालगाड़ी का परिचालन सुरक्षित हो एवं अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचे इसके लिए भारतीय रेल के कर्मचारी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रायपुर रेल मंडल के लोको चालक, गार्ड, स्टेशन मास्टर/ स्टेशन अधीक्षक, पोर्टर, मंडल यातायात निरीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक, पार्सल सुपरवाइजर, कंट्रोलर एवं कंट्रोल रूम में कार्यरत कर्मचारी रेल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, स्टेशन मास्टर स्विच पैनल बोर्ड द्वारा गाड़ियों का संचालन, कंट्रोल रूम में पैनल बोर्ड का संचालन करते हुए, वॉकी टॉकी से आवश्यक दिशा निर्देश एवं आवश्यक निर्णय लिए जाते हैं पार्सल एवं मालगाड़ियां जहां से भी निकलती हैं उन्हें लाल-हरी झंडियों के संकेत दिए जाते हैं ।

संपादकीय

लॉकडाउन को लेकर माथापच्ची

देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए लॉकडाउन को और आगे बढ़ाने या खत्म करने के मुद्दे को लेकर सरकार माथापच्ची रही है। किन्तु अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि तीन मई के बाद भी लॉकडाउन आगे और जारी रखा जाएगा या कुछ राज्यों को इससे राहत मिलेगी। लॉकडाउन के बावजूद भारत में कोरोण संक्रमित लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मृतकों की संख्या भी बढ़ रही है। अब तक लगभग 28 हजार लोग कोरोण संक्रमण के शिकार हो गए है वहीं आठ सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। निश्चित रूप से स्थिति विकट है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियों कांफ्रेंसिंग के जरिए इस मुद्दे पर लगातार तीन घंटे तक चर्चा की। इसमें कोरोण से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन को और आगे बढ़ाने की मांग की है। वहीं कुछ मुख्यमंत्रियों ने जिनके राज्य में कोरोना का कहर अपेक्षाकृत कम टूटा है उन्होंने लॉकडाउन के दौरान सशर्त छूट की सीमा बढ़ाने की मांग उठाई है। इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सभी मुख्यमंत्रियों की मांग को लेकर एक साझा रणनीति बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देना आवश्यक है। इस चर्चा के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने विभिन्न प्रदेशों में फंसे छात्रों की वापसी का मुद्दा भी उठाया। वहीं बड़ी संख्या में महानगरों में फंसे मजदूरों की वापसी के मुद्दे पर भी विचार विर्मश किया गया। अब केन्द्र सरकार इन सभी मुद्दों पर मंथन करेगी और विशेषज्ञों की राय लेकर नए सीरे से कोरोना संक्रमण के खतरे से निपटने के लिए रणनीति तय करेगी। गौरतलब है कि देश के डेढ़ सौ से अधिक जिले रेड जोन में है जहा लॉकडाउन और आगे बढ़ाया जाना अतिआवश्यक है। जो जिले ऑरेंज और ग्रीन जोन में है वहां आर्थिक गतिविधियां चालू रखी जा सकती है। ताकि लोगों को दिक्कत न हो और व्यापार व्यसाय भी चले। इस दौरान सामाजिक दूरी का सभी को ध्यान रखना होगा। अन्यथा वहां भी स्थिति बिगड़ सकती है। पूरी दुनिया कोरोना के कहर से कराह रही है और तमाम विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था चौपट होती जा रही है। जिसका चीन फायदा उठा रहा है। लेकिन चीन के खिलाफ पूरी दुनिया में रोष भी गहराता जा रहा है। चीन में संचालित अनेक औद्योगिक ईकाईयों ने दूसरे देशों का रूख करने की मानसिकता बना ली है। यह भारत के लिए एक बेहतर अवसर है। चीन से जो विदेशी कंपनिया पलायन करने जा रही है उन्हें भारत लाया जा सकता है। इस तरह भारत में विदेशी पूंजीनिवेश बढ़ सकता है और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। इस पर भी सरकार को विचार करना चाहिए।

विचार

कोरोनाः वियतनाम से सीखें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

क्या दुनिया में कोई ऐसा भी देश है, जहां कोरोना की वजह से अब तक एक भी आदमी मरा न हो ? जी हां, ऐसा एक देश है, जिसका नाम वियतनाम है। लगभग साढ़े नौ करोड़ की जनसंख्यावाला यह देश चीन का एकदम पड़ौसी है। यह साम्यवादी पार्टी द्वारा शासित देश है। इसके नेता हो ची मिन्ह की गिनती दुनिया के बड़े नेताओं में हुआ करती थी। यह देश सिंगापुर, ताइवान और द.कोरिया जैसा संपन्न देश नहीं है लेकिन उसने कोरोना को जैसी टक्कर दी है, वैसी कोई और देश उसे नहीं दे सका है। जनवरी से अभी तक इस देश में 270 मामले सामने आए हैं और उनमें से 220 ठीक हो चुके हैं। 50 लोगों का इलाज चल रहा है। वियतनाम से भी कम आबादीवाले और चीन से बहुत दूर बसनेवाले यूरोपीय देशों और अमेरिका में हजारों आदमी मर रहे हैं और लाखों लोग कोरोना के शिकार हो रहे हैं, ऐसी हालत में वियतनाम की जनता पर तालाबंदी नहीं थुपी हुई है और वहां सामान्य काम-काज यथावत चल रहा है। इसका रहस्य क्या है ? वियतनाम में चीन से आए दो व्यक्तियों में 23 जनवरी को कोरोना के लक्षण पाए गए लेकिन सरकार ने 16 जनवरी को ही सारे देश को सावधान कर दिया था। वे लोग 13 जनवरी को राजधानी हो ची मिन्ह सिटी में आ गए थे। लगभग इसी समय हमारे केरल में भी कोरोना का एक मामला पकड़ा गया लेकिन हमारी सरकारें खर्राटे खींचती रहीं। केंद्र सरकार ने लगभग दो-ढाई माह बाद तालाबंदी की घोषणा की। यदि हमारी केंद्र और राज्य सरकारें जनवरी में ही सतर्क हो जातीं और विदेशों से आनेवालों पर कड़ी नज़र रखतीं तो भारत भी दुनिया के लिए एक मिसाल बन जाता। वियतनाम के पास न तो पर्याप्त जांच-यंत्र हैं, न सांस यंत्र हैं और न ही दवाइयां हैं लेकिन फिर भी उसने कोरोना पर काबू इसलिए कर लिया कि विदेश से आनेवाला कोई भी व्यक्ति या उसके संपर्क में आनेवाला व्यक्ति वहां तबलीगी जमात के लोगों की तरह छिपा नहीं रहा। कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ऐसे लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया। वियतनाम में एक-पार्टी शासन होने के बावजूद चीन की तरह इंटरनेट और मीडिया पर सरकारी शिकंजा नहीं है। सरकार ने गली-गली और घर-घर में पोस्टर लगाकर, रेडियो, टीवी और अखबारों में विज्ञापन देकर कोरोना को 'राष्ट्रीय शत्रु' घोषित कर दिया। कई शहरों, गांवों और मोहल्लों में थोड़े समय के लिए उसने जबर्दस्त तालाबंदी लागू जरुर की लेकिन पूरे वियतनाम को बंद नहीं किया। अब वह सहज जीवन की तरफलौटता जा रहा है।

कोरोना ने संवारा प्रकृति का स्वरूप

डॉ. संजय शुक्ला

> कोरोना वायरस के लिए एक जंगली चमगादड़ और पेंगोलिन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है जिनमें इस वायरस को अपने में रखने की प्रवृत्ति होती है। गौरतलब है कि कोविड - 19 जैसे कोरोना वायरस भले ही मनुष्यों से मनुष्यों में फैलते है लेकिन ये वायरस कभी खत्म नहीं होते हैं क्योंकि कुछ जानवर और जंगली चिड़िया इस वायरस के आश्रय हैं। जैसे - जैसे मानव सभ्यता इन पशु-पक्षियों के रहने के प्राकृतिक जगहों को खत्म करते जाएगी वैसे - वैसे जानवरों में आश्रित जानलेवा बीमारी मनुष्य के समीप पहुंच कर लोगों का जान लेती रहेंगी। बेतरतीब शहरीकरण, जनसांख्यकीय दबाव, गरीबी, अशिक्षा, बढ़ते प्रदूषण, मांसाहार की बढ़ती प्रवृत्ति, घटते जंगल. जंगलों में आग और सूखती नदियों ने प्रकृति के परिस्थिकीय तंत्र और जलवायु पर काफी बुरा प्रभाव डाला है फलस्वरूप कोरोना जैसे अनेक जानलेवा संक्रामक रोगों का प्रसार काफी तेजी से हो रहा है। यदि मानव समाज ने सबक नहीं लिया तो कोरोना कोई अंतिम आपदा नहीं है बल्कि हम आगे भी ऐसी बीमारियों से जूझते रहेंगे। इसलिए अभी भी वक्त है मानव समाज प्रकृति और पशु-पक्षियों पर निर्ममता छोड़ कर इसे विमर्श में लाए अन्यथा प्रकृति लगातार बदला लेते रहेगी।

पूरी दुनिया इन दिनों वैश्विक महामारी कोरोना के चपेट में है भारत भी इस विभीषिका से अछूता नहीं है। इस संक्रामक कोविड - 19 वायरस ने दुनिया भर के हजारों लोगों की जान ले ली है तो लाखों लोग इस संक्रमण का शिकार हैं।कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया की रफ्तार को थमने के लिए मजबूर कर दिया है तथा इसके संक्रमण के रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन के कारण लोग अपने घरों में कैद के लिए मजबूर हैं। इस महामारी ने धर्म और विज्ञान को भी अपने सामने बेबस कर दिया है। दुनिया के सभी धर्मों के प्रमुख धार्मिक स्थल जहां अनुयायियों के लिए बंद हैं वहीं चिकित्सा विज्ञान अब तक कोरोना के चुनौती पर विजय हासिल नहीं कर पाया है। गौरतलब है कि इस महामारी के रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन से भले ही पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई और जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुयी हो लेकिन भारत प्रदूषण की त्रासदी से मुक्त हो रहा है। देश की अधिकांश नदियां साफहुयी है, हिमालय जालंधर से दिखने लगी है, हरिद्वार में गंगा का पानी पीने लायक हो गया है। पर्यावरण के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर भारत में लगभग पिछले 20 सालों के बाद वायु प्रदूषण अपने सबसे न्यूनतम स्तर पर आया है। इन दावों की पुष्टि नासा की अर्थ आब्जरवेटरी द्वारा जारी पिछले चार सालों के उन तस्वीरों से होती है जिसमें देश के प्रदूषण स्तर को बताया गया है।

दरअसल लॉकडाउन के वाहनों की आवाजाही लगभग बंद है, फैक्ट्रियों के चिमनियों ने घातक धुंआ उगलना बंद कर दिया है और नदियों में इन कारखानों से निकलने वाली रासायनिक अपशिष्ट का मिलना भी बंद है। परिणामस्वरूप देश में लोग साफ हवा में साँस ले रहे हैं और हवा में एयरोसोल की मात्रा बेहद कम हुयी है। हालांकि उत्तर भारत के इन तस्वीरों के विपरीत दक्षिण भारत के हवा में बीते चार सालों की तुलना में एयरोसोल के स्तर में बढ़ोतरी हुई है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार इसका कारण दक्षिण भारतीय राज्यों में हालिया मौसम का बदलाव, खेतों में लगाई गई आग और दूसरे कारक हो सकते हैं। बहरहाल इन तथ्यों से यह कहा जा सकता है कि

कोरोना वायरस की त्रासदी के कारण जहाँ पूरी दुनिया भयावह त्रासदी के दौर से गुजर रहा है वहीं प्रकृति मुस्कुरा रही है।ज्ञातव्य है कि हवा में जहाँ प्रदूषण का स्तर कम हुआ है वहीं ओजोन के स्तर में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। देश की सर्वाधिक प्रदूषित गंगा और यमुना सहित अन्य नदियों में प्रदूषण का स्तर काफी कम हुआ है। जिस गंगा और यमुना के प्रदूषण को खत्म करने के लिए सरकारों द्वारा अरबों रुपये खर्च करने बाद आशातीत परिणाम नहीं निकले उन नदियों की सूरत और सेहत कोरोना लॉकडाउन ने महज इक्कीस दिनों में बदल कर रख दिया। इसी प्रकार देश और दुनिया के कई शहरों में जंगली जानवरों के उन्मुक्त विचरण करने, समुद्रों में डाल्फिन के अठखेलियाँ करने, तट पर समुद्री कछुओं के चहलकदमी की खबरें आ रही है। वायु प्रदूषण की कमी के कारण पेड़ - पौधों में अजीब सी ताजगी महसूस हो रही है वहीं जंगल से लेकर शहरों में कीट-पतंगे और रंगबिरंगी तितलियाँ उन्मुक्त उड़ान भर रही हैं, गौरैया से लेकर कोयल इन दिनों पेड़ों और मुंडेर में खूब फुदक रहे हैं।

देश और दुनिया के वैज्ञानिकों के अनुसार द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद 75 सालों के बाद दुनिया की हवा सबसे ज्यादा साफ हुई है और कार्बन उत्सर्जन कम हुआ है। लॉकडाउन के इस दौर में प्रकृति और पशु-पक्षियों के स्वभाव में आए बदलाव के बीच यह भी प्रश्न लाजिमी है कि क्या 'कोरोना' प्रकृति का मनुष्य से बदला है? बेशक इसका उत्तर हाँ हो सकता है। इतिहास गवाह है कि मानव सभ्यता अपने पाषाण सभ्यता के दौर से ही अपने आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रकृति पर निर्भर रहा है। जब तक म प्रकृति का मनुष्य के साथ संतुलन रहा तब उसने उसका पोषण किया। मानव मशीनरी ने जब विकास के लिए जंगलों को काटना और पहाड़ों को खोदना शुरू किया तब से ही प्रकृति और मनुष्य का द्वंद चालू हो गया। गौरतलब है कि कि शुरूआत में विकास का सपना बहुत लुभावना होता है लेकिन विनाश के दांव पर विकास का फैसला हमेशा त्रासदीदायक ही होता है और इस त्रासदी को मानव समाज ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं के रूप में भोगा है। मनुष्य और पशु-पक्षियों का सहचर रिश्ता रहा है लेकिन जब मनुष्य अपने नैसर्गिक शाकाहारी प्रवृत्ति को त्याग कर इन प्राणियों का भक्षण करने लगा तो इसका परिणाम अनेक महामारियों के रूप में सामने आया है। वर्तमान दौर में भोजन, दवाओं और अन्य जरूरतों के लिए जानवर, पक्षियों और मछलियों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने लगा है। प्राणीविदों और रोग विशेषज्ञों के अनुसार प्रकृति के विनाश, मौसम परिवर्तन, जानवरों और पक्षियों ने मनुष्यों के बीच उन बीमारियों को फैलाने में अहम भूमिका निभाई है जो प्रकृति के गोद में व इन पशु - पक्षियों में छिपी हुई थी। कोरोना से लेकर स्वाइन फ्लू, बर्ड फ्लू, सार्स, मर्स, एड्स जैसी अनेक संक्रामक बीमारियों का स्त्रोत जानवर और पक्षी हैं।

दरअसल जंगली जानवर और पक्षी अनजाने वायरस और बैक्टीरिया के भंडार हैं। गौरतलब है कि कि कोरोना सहित अन्य संक्रामक बीमारियों की शुरुआत चीन से ही मानी जाती है। चीन में अनेक प्रकार के विषैली सांपो, जानवर और पक्षियों का बहुत बड़ा बाजार है। अब तक की जानकारी के अनुसार कोरोना का संक्रमण भी चीन के जानवरों व सी-फूड के बाजार से फैला। कोरोना वायरस के लिए एक जंगली चमगादड़ और पेंगोलिन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है जिनमें इस वायरस को अपने में रखने की प्रवृत्ति होती है। गौरतलब है कि कोविड - 19 जैसे कोरोना वायरस भले ही मनुष्यों से मनुष्यों में फैलते है लेकिन ये वायरस कभी खत्म नहीं होते हैं क्योंकि कुछ जानवर और जंगली चिड़िया इस वायरस के आश्रय हैं। जैसे - जैसे मानव सभ्यता इन पशु-पक्षियों के रहने के प्राकृतिक जगहों को खत्म करते जाएगी वैसे - वैसे जानवरों में आश्रित जानलेवा बीमारी मनुष्य के समीप पहुंच कर लोगों का जान लेती रहेंगी।

बेतरतीब शहरीकरण,जनसांख्यकीय दबाव, गरीबी, अशिक्षा, बढ़ते प्रदूषण,मांसाहार की बढ़ती प्रवृत्ति, घटते जंगल. जंगलों में आग और सूखती नदियों ने प्रकृति के परिस्थिकीय तंत्र और जलवायु पर काफी बुरा प्रभाव डाला है फलस्वरूप कोरोना जैसे अनेक जानलेवा संक्रामक रोगों का प्रसार काफी तेजी से हो रहा है। यदि मानव समाज ने सबक नहीं लिया तो कोरोना कोई अंतिम आपदा नहीं है बल्कि हम आगे भी ऐसी बीमारियों से जूझते रहेंगे। इसलिए अभी भी वक्त है मानव समाज प्रकृति और पशु-पक्षियों पर निर्ममता छोड़ कर इसे विमर्श में लाऐ अन्यथा प्रकृति लगातार बदला लेते रहेगी।

प्रतिबद्ध अफसरशाही और इस्लामोफोबिया का सियासी खेल

डॉ अजय खेमरिया

> जुलियो रिबेरो पंजाब के डीजीपी और मुबई के पुलिस कमिश्नर रहे है।हिन्दू आतंकवाद की नकली थ्योरी गढ़ने के लिए इनके योगदान को भी समझने की जरूरत है।साध्वी प्रज्ञा के मामले में एनआईए की जांच पर सवाल उठाने वाले रिबेरो कश्मीर से 370 हटाने के निर्णय को तानाशाही और चालाकी भरा बता चुके।मोदी के सत्ता में आते ही इन्होंने कहा था कि अब भारत भी पाकिस्तान बन जायेगा।हिन्दू एलिमेंट हावी हो जाएंगे। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस वाय कुरैशी की निष्ठा तो स्वयंसिद्ध है।दिल्ली चुनाव में इनकी अतिशय सक्रियता को कैसे एक उप निर्वाचन अधिकारी ने आईना दिखाया था सबको पता ही है।

इधर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार पर साम्प्रदायिकता का वायरस फैलाने का आरोप लगाया उधर पहले से तैयार स्क्रिप्ट को 101रिटायर अफसरों ने बांचना शुरू कर दिया।ठीक अवार्ड वापसी गैंग की तर्ज पर।मीडिया में खबर ब्रेक हो गई कोरोना संकट में मुसलमान फिर से विमर्श के केंद्र पर आ गए।इस बार मोर्चा संभाला दस जनपथ से सत्ता की मलाई चाटने वाले ब्यूरोक्रेट्स गिरोह ने। 101 का अंक यूं तो सनातन संस्कृति में बड़ा शुभ माना जाता है लेकिन लिबरल कम्पनी ने इसे क्यों चुना यह समझ से परे है।इस गिरोह ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ सुर में सुर मिलाकर क्या लिखा है, इस पर चर्चा करने से पहले आइये इन पूर्व अफसरों की विशिष्टताओं को जानने का प्रयास करें।इनकी निष्ठाओं को समझा जाये क्योंकि पत्र के साथ यह विशेषण जोड़ा गया है कि वे सभी गैर राजनीतिक और निष्पक्ष अफसर है।

सबसे पहले पूर्व कैबिनट सचिव के एम चंद्रशेखर की निष्पक्षता को जानिये। सोनिया जी के रिमोट नियंत्रित मनमोहन सरकार ने इन्हें देश के सबसे बड़े अफसर के रूप में नियुक्ति दी।इनसे पहले इस पद पर दो बर्ष का कार्यकाल नियत था और सरकार छह छह महीने अधिकतम एक साल एक्सटेंशन दे सकती थी।जनाब सोनिया जी को इतने भाए की नया कानून ही बना दिया गया कि कैबिनेट सचिव का कार्यकाल 4 साल होगा। बजाहत हबीबुल्ला भारत के पहले मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त हुए थे 2005 में।मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के चहेते अफसर।हाल ही में शाहीन बाग के वार्ताकार बनाकर भेजे तो धरना समाप्त करने थे लेकिन सुप्रीम कोर्ट में आकर हलफनामा दाखिल किया कि शाहीन बाग का धरना शांतिपूर्ण है और विधिसम्मत है।मोदी सरकार के लिए अपनी जहरीली मानसिकता को गाहे बगाहे हबीबुलल्ला जाहिर करते रहते है। एस दुलत 1965 बैच के आईपीएस है पुलवामा हमले को मोदी की साजिश बता चुके है।सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने और अलगाववादी कश्मीरी नेताओं की सुरक्षा वापसी पर ये रूदाली की तरह रोते रहे है।मोदी सरकार के घुर विरोधी दुलत 2005,2006,2007 को प्रधानमंत्री कार्यकाल का स्वर्णिम दौर बताते रहे है।फिर भी ये निष्पक्ष है। अफसरी गिरोह के सदस्य दिल्ली के उपराज्यपाल रहे नजीब जंग मनमोहन सिंह के कृपापात्र रहे है।मप्र कैडर के इस पूर्व ब्यूरोक्रेट् की पहचान कपिल सिब्बल के बेस्ट फ्रेंड की भी है।चे ग्वारा का पेंडल गले मे पहनकर जामिया के वीसी रह चुके है। इन परम निष्पक्ष जंग की दलीलें नागरिकता कानून पर सबने सुनी और देखी है।नजीब का खानदान हैदराबाद निजाम की अर्दली करता था जो सऊदी अरब से आकर भारत बसा है।

सच्चाई यह है कि 101 अफसरों की यह गैंग कांग्रेस और वामपन्थ की बी टीम है।यह प्रतिबद्ध अफसरशाही की स्थाई बुराई का बदनुमा चेहरा भी है।भारत में इस कमिटेड ब्यूरोक्रेसी की शुरुआत इंदिरा गांधी ने की थी।1971 में उन्होंने न केवल अफसरशाही बल्कि प्रतिबद्ध न्यायपालिका की मंशा को भी सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त किया था।जिन 101अफसरों ने यह पत्र मुसलमानों के भेदभाव को मुद्दा बनाकर लिखा है उनमें अधिकतर इंदिरा गांधी के दौर से संबंधित है और वही कर रहे है जो उनकी प्रतिबद्धता मांगती है।हर्ष मन्दर,अशोक वाजपेयी, अरुणा राय जैसे तमाम नाम है जो 2014 से ही अपना संतुलन खो बैठे है।अशोक वाजपेयी मप्र में कांग्रेस के चहेते अफसर रहे है उन्होंने अवार्ड वापसी गिरोह का नेतृत्व किया था अखलाक की लिंचिंग पर ।आजकल वे चुप है पालघर की घटना पर।क्योंकि अब वहां शिवसेना और उद्धव ठाकरे कांग्रेस की गोद मे बैठे है।साहित्य की आड़ में अशोक वाजपेयी ने अपनी अफसरी प्रतिबद्धता को साबित करने में कोई कसर नही छोड़ी। सवाल यह है कि इन 101 अफसरों ने सोनिया गांधी के साथ ही आवाज उठाना क्यों मुनासिब समझा?क्या वाकई मुसलमान कोरोना में भेदभाव का शिकार हो रहे है?क्या सरकार ने ऐसा कोई कदम उठाया है जो मुसलमानों के विरुद्ध है?क्या जानबूझकर कोरोना संक्रमण को छिपाना महामारी एक्ट में अपराध नही है?क्या सरकार ने मुसलमानों को इलाज से वंचित रखने की कोई मंशा जाहिर की है?कोई ऐसा मामला देश भर में है जहां किसी मुस्लिम को जांच से मना किया गया हो?हकीकत तो यह है कि तबलीगी जमात ने कोरोना संक्रमण को जिहादी मानसिकता के साथ फैलाने का अपराध किया है।कांग्रेस की छत्रछाया में बिषबेल की तरह आच्छादित वामपंथी बुद्धिजीवीयों को अल्पसंख्यक के नाम पर केवल मुसलमान ही नजर आते है क्योंकि वे पारसी,जैन,सिख,की तुलना में सियासत को निर्णायक सूरत देने के सक्षम है।बेहतर होता यह अफसर अपनी सेक्युलर अपील का प्रयोग मुसलमानों के लिए कोरोना लड़ाई में सहयोग के उद्देश्य से जारी करते।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ज़िन्दगी का एक छोटा-सा पल किस्सा बन

ज़िन्दगी का एक छोटा-सा पल किस्सा बन जाता है, न जाने कब कौन ज़िन्दगी का हिस्सा बन जाता है। कुछ लोग ज़िन्दगी मे मिलते है, इस तरह यूँही, जिनसे कभी न बिछुड़ने वाला रिश्ता बन जाता हैं।

कुसुम शुक्ला

किसी नदी को पार कर बहती हवा को

किसी नदी को पार कर बहती हवा को, मुझ तक पहुँचने का रास्ता पता होना चाहिए! पता होना चाहिए चन्द्रमा को, की चाँदनी बिन, किसी झोपड़ी में अँधेरा है! हर उस ईश्वरीय लाभ पर, मेरा हक होना चाहिए! जो सबको प्रा है! उससे पहले, ईश्वर पर मेरा हक होना चाहिए! **यू एस मिश्रा स्वप्निल**

खास पाती | बादल आओ जल बरसाओ

मैं एक कदम, रखती हूँ, मुझे सौ लोग, मिलते हैं, सबके सब, अपना सुरसा मुख, खोले हुए, मैं भी, हनुमान की, वंशज हूँ, धारण कर लेती हूँ, अति सूक्ष्म रूप, और माप ही, लेती हूँ, हर एक अंतस का, वास्तविक धरातल, शायद यही कारण है, कि पर्वत अब, मुझे बहुत, ऊँचे नही लगते, न ही बहुत, गहरी लगती हैं, गहराइयाँ...। **ममता अमर**

वो नज़र में है निशाने पर नहीं है

वो नज़र में है निशाने पर नहीं है मज़ा दुश्मनी निभाने में नहीं है तमाम शहर में पसरा है सन्नाटा महताब तू अकेला वीराने में नहीं है दूर गांव, काम नहीं, अपनों की चिंता भूख फ़क़त तू सबक सिखाने में नहीं है कलयुग का कर्ण बड़ा ही निष्ठुर है दर्द यूँ ही तस्वीर खिचाने में नहीं है धरती के भगवान भी होते धराशाही मौत सिर्फहम सबके सिरहाने में नहीं है। **अमित कुमार अम्बष्ट**

बन्द सब कुछ हुआ पर न आसार बन्द

बन्द सब कुछ हुआ पर न आसार बन्द ज्यादा वक़्त के लिए हम न लाचार बन्द ऑफलाइन नही ऑन लाइन भी है कुछ देखिये तो जरा ना करोबार बन्द सब्र की हो रही इम्तहां अब जनाब यूँ न रह पाएंगे सारे बाजार बन्द एहतियातन है बंद मिलना-जुलना सभी है नही पर अभी दिल के द्वार बन्द प्यार से दीजिये झपपियां प्यार की किसी कीमत न हो आपसी प्यार बन्द। **रानी इंदू**

मैं चकित हूँ एक अजनबी को

मैं चकित हूँ एक अजनबी को देखकर, करीब है, पर रहा अजनबी वो बनकर, तुम कौन हो,मैंने कभी तुम्हें देखा नहीं- आईना हूँ, तेरी छवि आयी तो उभरकर । **पूनम झा**

वृक्षों के सूखे हुए ठूंठों पर जस

वृक्षों के सूखे हुए ठूंठों पर जस के तस कायम घोंसले जाहिर करते हैं पक्षियों का विश्वास नयी कोंपलों को फिर से फूट पड़ना है, फिर लौट आनी है हरी पत्तियों की छांव छोड़ कर शाख..वो उड़ नहीं जाते किसी और आश्रय की तलाश में वो करते हैं इंतज़ार बारिशों का उनके यकीन पर लौट आती हैं बारिशें..। **सरिता त्रिवेदी**

दामन में नए कांटे टाँके, हर नए

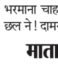

दामन में नए कांटे टाँके, हर नए आते हुए पल ने निर्जीवता मित्र बनकर, जीवन भर मेरे साथ रही है. दुर्भाग्य तो है सहोदर, हरपल मेरे हाथ रही है. अवसादों के खद्योतों ने, अपनी राह बुलाना चाहा इन राहों के आखेटक ने, सदा मुझे भरमाना चाहा. पर अबतक कहाँ, भरमा पाया, निठुर नियति के नित् नए छल ने ! दामन में नए कांटे टांके, हर नए आते हुए पल ने। **कुमार सोनल**

माता-पिता को चाहिए कम संतान पैदा

माता-पिता को चाहिए कम संतान पैदा करके उसे पढ़ा लिखा कर संस्कारवान बनाएं सूअर के समान बच्चे पैदा करके उनकी ढंग से देखरेख ना करने से बच्चे संस्कार विहीन हो जाते हैं और उनके सोचने समझने की शक्ति क्षीण हो जाती है जिससे ना अपनी इज्जत की परवाह करते हैं और ना ही अपने से बड़ों की इज्जत की परवाह करते हैं। **सुभाष चंद्र सोनी**

QUIZ TIME

1) ब्रिटिश हाउस ऑफकॉमन्स के चुनाव को लड़नेवाले प्रथम भारतीय कौन थे?

2) वाल्मीकि रामायण में हनुमान और अन्य वानर जब विंध्य पहाड़ियों में सीता की खोज कर रहे थे, तो किस तपस्विनी महिला ने उन्हें दानवराज मय की गुफा से बाहर निकलने में सहायता की? (स्वयंप्रभा / अनुप्रभा)

3) प्राचीन यूनानी किस भारतीय राजा को सैंड्रोकोटस कहकर पुकारते थे?

4) 1930 में पहली बार विश्व कप फुटबॉल में कितने टीमों ने भाग लिया था?

(क) 13 (ख) 16 (ग) 24

5) डॉ गोविंदप्पा वेंकटस्वामी ने किस संस्था का स्थापना किया था?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) दादा भाई नौरोजी (2) स्वयंप्रभा (3) चंद्रगुप्त मौर्य (4) 13 (5) अरविंद नेत्र अस्पताल

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1740 - मराठा शासक पेशवा बाजीराव प्रथम का निधन। 1788 - मैरी लैंड अमेरिकी संविधान की पुष्टि करने वाला सातवां राज्य बना। 1829 - यूरोपीय देश नीदरलैंड की संसद ने नये प्रेस कानून पारित किये। 1910 - इंग्लैंड में क्लोड ग्राहम व्हाइट नाम के पायलट ने पहली बार रात में विमान उड़ाया। 1914 - अमेरिका में वेस्ट वर्जीनिया के एस्सेल्स इलाके में एक कोयला खदान हादसे में 181 लोगों की मौत। 1929 - भारतीय फिल्मों की प्रसिद्ध डिजाइनर भानु अथैया का जन्म। 1932 - इंसानों के लिए पीत ज्वर का टीका विकसित करने की घोषणा की गई। 1945 - इटली के तानाशाह बेनितो मुसोलिनी, उनकी प्रेमिका क्लारा पेटाची और उसके सहयोगियों की हत्या कर दी गयी।

■ न्यूज गैलरी

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या पहुंची 30 लाख के करीब

बीजिंग/ जिनेवा/ नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है और विश्वभर में अब तक इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 30 लाख के करीब पहुंच गई है। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से सोमवार सुबह जारी किये गये मुताबिक दुनियाभर में इस जानलेवा विषाणु से अब तक 29.98 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 2.07 लाख लोगों की मौत हुई है।

भारत में भी कोरोना वायरस तेजी से पैर पसार रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अब तक 20385 लोग इससे संक्रमित हुए हैं तथा 872 लोगों की मौत हुई है। देश में अब तक 6184 लोग इसके संक्रमण से निजात पा चुके हैं। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से दुनिया में सर्वाधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा सबसे अधिक मौतें भी हुई हैं। विश्व की महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में अब तक 9.66 लाख लोग इससे संक्रमित हुए हैं तथा 54881 लोगों की मृत्यु हुई है। यूरोपीय देशों में कोरोना की महामारी से सर्वाधिक प्रभावित इटली में 1.98 लाख लोग इससे संक्रमित हुए हैं तथा अब तक 26644 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन कोविड-19 के संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों की सूची में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। यहां अब तक 2.27 लाख लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और 23190 लोगों की इसके कारण मृत्यु हुई है।

रिटेल ढील: फ्लिपकार्ट ने किया स्वागत

नई दिल्ली (वार्ता)। ऑनलाइन मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने कोरोना वायरस के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर चरणबद्ध तरीके से रिटेल को खोलने की अनुमति देने के सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुये कहा है कि ई कॉमर्स के जरिये भी गैर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को खोला जाना चाहिए। कंपनी के प्रवक्ता ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा कि ''इस अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट के दौर में आम जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और कोविड–19 के प्रसार को कम से कम रखने की दिशा में सरकार के प्रयास सराहनीय हैं। हम रिटेल में चरणबद्ध ढंग से ढील देने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं और सभी हितधारकों की सुरक्षा की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं ने लॉकडाउन की अवधि में काफी संयम का परिचय दिया है, लेकिन उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना भी जरूरी है।

कोरोना से जंग में दिन-रात जुटे डोनाल्ड ट्रंप, लंच करना भी भूल जा रहे

नई दिल्ली/न्यूयार्क। कोरोना वायरस का सबसे बड़ा गढ़ बन चुके अमेरिका में इस महामारी से मारे जाने वालों की तादाद अब 55 हजार को पार गई है। करीब 10 लाख अमेरिकी इस महामारी से संक्रमित हैं। अमेरिका में सबसे ज्यादा खराब हालत न्यूयॉर्क राज्य की है। न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस से मरने वालों की तादाद 12,067 पहुंच गई है। इस महासंकट से निपटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिन- रात एक कर दिया है और कई बार तो लंच करना भी भूल जा रहे हैं। कोरोना संकट को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप का पूरा सिड्यूल पैक रहता है। इससे पहले यह दावा किया जाता था कि कोरोना से जंग के कमांडर इन चीफ डोनाल्ट ट्रंप अपना दिन केवल टीवी कवरेज देखते हुए और फ्राई खाते हुए निकाल रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप हर वक्त काम करते रहते हैं। अमेरिकी

राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप प्रतिदिन कोरोना महामारी को लेकर करीब 60 फोन कॉल करते हैं। उधर, व्हाइट हाउस के चीफ ऑफस्टॉफमार्क मेअडोस ने कहा, 'मैं आपसे कह सकता हूं कि नए चीफ ऑफ स्टॉफ के मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि राष्ट्रपति को जल्द से जल्द खाना खलिाना सुनिश्चित किया जा सके।' ट्रंप के फोन करने का सिलसिला सुबह 6:30 बजे से शुरू हो जाता है।

रात को 3 बजे तक कर रहे हैं काम, लंच नहीं कर पा रहे

मेअडोस ने बताया कि हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें रात को 3 बजकर 19 मिनट पर फोन किया। मैं उम्मीद नहीं कर रहा था कि इतनी रात को उनका फोन आएगा और सो रहा था। उन्हें खाने के लिए भी समय नहीं मिल पा रहा है। पिछले 5 सप्ताह से मैंने उन्हें 10 मिनट भी फुर्सत में नहीं देखा। व्हाइट हाउस के ही एक अन्य अधिकारी ने कहा कि ट्रंप लंच नहीं कर पा रहे हैं। कई बार तो उन्हें लंच करने के लिए मात्र 10 मिनट का समय मिलता है। टीवी देखने और हैमबर्गर खाने के आरोप पर ट्रंप ने खुद ही ट्वीट करके कहा था, 'मैं सुबह जल्दी उठ जाता हूं और देर रात तक काम करता हूं।' कोरोना वायरस संकट को देखते हुए ट्रंप ने खुद को व्हाइट हाउस में ही कैद कर लिया है। हालांकि वह रोजाना प्रेस ब्रीफिंग करते हैं। हालांकि उनके कार्यस्थल पर टीवी चैनल चलता रहता है।

खुशखबरी: कोरोना से लड़ाई में जीत रही दिल्ली, संक्रमित हुआ हर तीसरा मरीज हो रहा स्वस्थ

33 फीसदी मरीज हुए ठीक, लगातार बढ़ रहा स्वस्थ हो रहे मरीजों का आंकड़ा

दिल्ली में कोरोना से संक्रमित हुआ हर तीसरा मरीज इलाज के बाद ठीक होकर घर पहुंच रहा है। दिल्ली में कोरोना से जंग जीतने वाले मरीजों की कुल संख्या 33 फीसदी तक पहुंच गई है।

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना को मात देने वाले फाइटर्स की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अब दिल्ली में हर तीसरा मरीज ठीक होकर घर पहुंच रहा है। आंकड़ों के अनुसार, कोरोना संक्रमण से पीड़ित मरीजों के ठीक होने का प्रतिशत 33 तक पहुंच चुका है और इसमें लगातार बढ़ोतरी जारी है। खास बात यह कि रिकवरी के मामले में देश का आंकड़ा अभी 29त ही है। हालांकि 15 दिन पहले तक दिल्ली में ठीक होने की दर 4-5त ही थी। लेकिन 18 अप्रैल से इसमें तेजी आई है।

डॉक्टरों का कहना है कि दिल्ली में निजामुद्दीन के मामले के बाद पॉजिटिव मरीजों की संख्या में अचानक इजाफा हुआ था। एक साथ सैकड़ों लोग एडमिट होने आए तो रिकवरी का औसत कम हो गया। शनिवार के आंकड़ें देखें

तो दिल्ली में कुल 2,625 पॉजिटिव मरीज थे। वहीं, 869 ठीक होकर घर पहुंच गए हैं। बीते आठ दिनों में ही 796 मरीज ठीक हुए हैं, जो बड़ी राहत की खबर है।

मुख्यमंत्री ने भी संतोष जताया कि पिछला हफ्ता उसके पहले के हफ्ते से बेहतर रहा है। आंकड़ों के हवाले से उन्होंने बताया कि दिल्ली में कोरोना के केस मिलने के बाद सातवें हफ्ते में 850 नए केस आए थे, तब हम घबरा गए थे, लेकिन 8वें हफ्ते में 622 नए मरीज ही आए। वहीं, 7वें हफ्ते में 21 की मौत हुई थी, जबकि पिछले हफ्ते में 9 की। सातवें हफ्ते में 260 लोग ठीक हुए, जबकि पिछले 8वें हफ्ते में 580 लोग स्वस्थ हुए। सीएम ने कहा कि एक तरह से पिछला हफ्ता अच्छा रहा। सभी ने बड़ी कठिनाई से लॉकडाउन का पालन किया है और इसी तरह आगे भी करते रहे तो बीमारी से निजात पा सकते हैं।

प्लाज्मा थेरपी से मरीज ठीक, मिली छुट्टी

प्लाज्मा थेरपी ने दिल्ली में उम्मीद बढ़ाई है। मैक्स में जिस मरीज को यह थेरपी दी गई, उसे रविवार को छुट्टी मिल गई। सीएम ने भी कहा कि शनिवार को र्स्छ्छक्क में नाजुक हालत में एक मरीज को प्लाज्मा दिया गया तो रविवार सुबह तबीयत में सुधार दिखा। एम्स के झज्जर सेंटर से इलाज के बाद छुट्टी पाए दर्जनों जमातियों ने प्लाज्मा डोनेशन की इच्छा जताई है।

बड़ी संख्या में प्लाजमा डोनेट कर रहे लोग

सीएम केजरीवाल ने कहा कि कोरोना को हराने वाले बड़ी संख्या में प्लाज्मा डोनेट कर रहे हैं। कोरोना हिंदू-मुसलमान सबको होता है। हिंदू का प्लाज्मा मुसलमान को और मुसलमान का प्लाज्मा हिंदू को बचा सकता है। इससे सीख ले सकते हैं कि अगर प्यार-मोहब्बत से काम करेंगे, तो हमें कोई नहीं हरा सकता है, लेकिन बंट गए तो फिर हमें कोई बचा भी नहीं सकता है। इसलिए आपके मन में कभी दूसरे धर्म के शख्स के प्रति दुर्भावना आए, तो सोचिएगा कि उसका प्लाज्मा जान बचा सकता है।

- **सीएम ने कहा- लॉकडाउन का पालन करने पर और तेजी से बढ़ सकती है संख्या**
- **दिल्ली में बीते आठ दिनों में ही 796 मरीज ठीक हुए, फिलहाल 2625 पॉजिटिव केस**
- **दिल्ली में तेजी से ठीक हो रहे कोरोना के तमाम संक्रमित मरीज**

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने मार गिराए 4 आतंकवादी

श्रीनगर। देश कोरोना वायरस महामारी के संकट से परेशान है। इस बीच जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की नापाक हरकतों से लोगों का जीना मुश्किल है। सोमवार को प्रदेश के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर हमला बोल दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए सेना के जवानों ने 4 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना का ऑपरेशन अभी जारी है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के काजीगुंड इलाके में भारतीय सेना के जवान गश्त पर निकले थे। इस दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों के गश्ती दल पर गोलियां चला दीं। इसके बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की और 4 आतंकवादियों को मार गिराया। ऑपरेशन में सेना के एक मेजर के घायल होने की खबर है। इंडियन आर्मी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, प्रदेश पुलिस के संयुक्त अभियान में आतंकवादियों के खिलाफजवाबी कार्रवाई और मुठभेड़ जारी है।

सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। इससे पहले कुलगाम जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में भी दो आतंकवादी मारे गए थे। दक्षिण कश्मीर के देवसर क्षेत्र में रविवार की शाम को सुरक्षा बलों के गश्ती दल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी। इसके बाद सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए।

अमेज़न ने 'लोकल शॉप्स ऑन अमेज़न' प्रोग्राम लॉन्च किया

नई दिल्ली (वार्ता)। अमेजन इंडिया ने स्थानीय दुकानदारों और रिटेलरों के लिये रविवार को 'लोकल शॉप्स ऑन अमेज़न' प्रोग्राम लॉन्च किया। गोपाल पिल्लाई ने इस प्रोग्राम की घोषणा करते हुये कहा कि 'लोकल शॉप्स ऑन अमेज़न' के जरिये देश के प्रत्येक विक्रेता को भारत और विश्व के ग्राहकों तक पहुँचाने के हमारा प्रयास है। यह प्रोग्राम स्थानीय दुकानों और रिटेलरों का सशक्तिकरण करता है ताकि वे मौजूदा संसाधनों और संपादाओं का उपयोग करते हुये बड़े ग्राहक आधार का लाभ ले सके।

आईसीसी ने सना मीर को संन्यास पर दी शुभकामनाएं

दुबई (वार्ता)। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने पर शुभकामनाएं दी हैं।

आईसीसी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा, ÷आईसीसी पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर को उनके शानदार करियर से संन्यास लेने पर शुभकामनाएं देता हैं जिन्होंने 226 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले और 137 मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी मनु सोहनी ने कहा कि सना पाकिस्तान क्रिकेट का एक तरह से चेहरा थीं और विश्व क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों खिलाड़ियों में से एक थी। उन्होंने कहा, ÷सना पाकिस्तान क्रिकेट टीम की शानदार कप्तान रहीं।

महेन्द्र सिंह धोनी सहीं मायनों में लीडर हैं: मोहित शर्मा

भारतीय और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सराहना करते हुए कहा है कि वह सही मायनों में लीडर हैं।

नई दिल्ली (वार्ता)। 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स के साथ इंस्टाग्राम लाइव सत्र पर बातचीत में कहा, ÷मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे धोनी जैसे लीजेंड खिलाड़ी की कप्तानी में खेलने का मौका मिला। मैंने अपनी 70 से 80फीसदी क्रिकेट धोनी की कप्तानी में खेली चाहे वह भारत के लिए हो या फिर चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए।

हरियाणा के तेज गेंदबाज ने कहा, ÷धोनी की विनम्रता और दूसरे के प्रदर्शन को सराहना उन्हें उन अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है जिनके साथ मैं खेला हूं। खेल में एक कप्तान और लीडर में अंतर होता है और मेरा मानना है कि वह सही मायनों में लीडर हैं।जब टीम जीतती है आप उन्हें कभी सबसे आगे नहीं पाएंगे लेकिन यदि टीम हारती है तो वह जिम्मेदारी लेते हुए सबसे आगे रहते हैं। यह एक सच्चे लीडर की निशानी है इसलिए मैं उनकी सराहना करता हूं। दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने पर मोहित ने कहा, ÷दिल्ली कैपिटल्स में कई शानदार भारतीय खिलाड़ी हैं और मुझे लगता है कि आईपीएल खिताब जीतने का यह शानदार मौका है। मेरा मानना है कि हर विभाग में सही खिलाड़ियों के चयन से हम ट्रॉफी के हकदार बन सकते है और प्रशंसक टीम से बड़ी उम्मीद लगा सकते हैं। कोरोना वायरस के कारण देशभर में लागू लॉकडाउन की स्थिति में फिटनेस रूटीन को लेकर मोहित ने कहा , ÷क्रिकेट खिलाड़ियों के इतने व्यस्त दौरे और यात्रा होती है कि इस तरह का ब्रेक मिलना अविश्वसनीय जैसा लगता है। मैं सच में क्रिकेट को याद कर रहा हूं लेकिन आप अपनी फिटनेस को बरक़रार रखने के अलावा अधिक कुछ नहीं कर सकते। मैं सप्ताह में पांच दिन अभ्यास करता हूं और दिन में आराम करता हूं ताकि शरीर को आराम भी दे सकूं।

स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही है ईशा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैद्य ईशा गुप्ता सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा एक्टिव रहतीं हैं। वह सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट के लिए भी फेमस हैं। ईशा के फैन्स को उनके पोस्ट बहुत पसंद आते हैं जिस कारण यह वायरल भी होते हैं। ईशा की इमेज एक फिटनेस फ्रिक गर्ल की है जो अपनी फिटनेस से जुड़ी कई तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं। ईशा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक अद्भुत योग मुद्रा की फोटो अपने प्रशंसकों को प्रेरित करने के लिए पोस्ट की। फोटो में वह अपने पैरों को फैलाए हुए है और वह 'पश्चिमा नमस्कार' करती देखी जा सकती है।

क्रिश होता तो कोरोना वायरस खत्म कर देता ऋतिक

मुंबई(वार्ता)। बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन का कहना है कि यदि वह रियल जिंदगी में क्रिश होते तो कोरोना वायरस को खत्म कर देते। ऋतिक रौशन ने सिल्वर स्क्रीन पर सुपरहीरो क्रिश का किरदार निभाया है। कोरोना वायरस ने जहां पूरी दुनिया में तबाही मचा रखी है। वहीं, इस खतरनाक वायरस को खत्म करने को लेकर ऋतिक रोशन ने एक ट्वीट किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। ऋतिक रोशन ने हाल ही में अपने बेटों के साथ एक फोटो शेयर किया था। इस फोटो पर एक फैन ने कमेंट करते हुए ऋतिक से पूछा, क्या ऋतिक के हाथ में सिगरेट है या मैं गलत देख रही हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि ऐसा ना हो क्योंकि इससे मुझे बहुत बुरा महसूस होता है। अभिनेता ने भी फैन के सवाल का जवाब देते हुए लिखा, फ्रमैं नॉन स्मोकर हूं। और अगर में क्रिश होता तो सबसे पहले इस वायरस को खत्म करने के बाद मैं इस ग्रह से हर आखिरी सिगरेट को नष्ट कर देता।

साइड इफेक्ट | कर्मचारियों को सता रहा डर कहीं लॉकडाउन के कारण ट्रांसपॉर्ट अलाउंस न काट लिया जाए

डीए फ्रीज होने के बाद अब ट्रांसपोर्ट अलाउंस का नंबर?

- **सरकार दे सकती है तर्क कि जब ऑफिस आए ही नहीं तो कैसे लेंगे ट्रांसपॉर्ट अलाउंस**
- **ट्रांसपोर्ट अलाउंस बंद होता है तो सरकार को एक महीने में ही इस मद में करीब 3500 करोड़ रुपये की बचत होगी**

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के करीब 48 लाख कर्मचारियों का महंगाई भत्ता या डीए फ्रीज होने के बाद उनके ट्रांसपोर्ट अलाउंस पर तलवार लटकी दिख रही है। इस समय लगभग हर सरकारी कर्मचारी इसी की बात कर रहा है और उनके चाहे वॉट्सऐप ग्रुप हों या सोशल मीडिया, सब पर इन दिनों ऐसी भी बातें घूम रही हैं। वित्त मंत्रालय से जुड़े एक वरिष्ठ

अधिकारी से जब इस बारे में सत्यता जानने का प्रयास किया गया तो उन्हें कहा कि अभी इस तरह का कोई फैसला नहीं हुआ है लेकिन वहीं के एक अन्य अधिकारी का कहना है कि यदि ऐसा होता है तो सरकार को एक महीने में ही इस मद में करीब 3500 करोड़ रुपये की बचत होगी। केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि लॉकडाउन में जब अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में सुस्ती है तो सरकार की कर वसूली पर भी गहरा असर पड़ा है। ऐसे में आमदनी और खर्च में तारतम्यता बिठाने का प्रयास हो रहा है। इसी के तहत पिछले दिनों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते की किस्त को फ्रीज करने का निर्णय लिया गया है। अब और आगे क्या हो सकता है, इस पर मंथन चल रहा है।

ट्रांसपोर्ट अलाउंस बन सकता है निशाना

केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के एक अधिकारी का कहना है कि ट्रांसपोर्ट अलाउंस अगला निशाना बन सकता है। उनका कहना है कि ट्रांसपोर्ट अलाउंस तो कर्मचारियों को घर से ऑफिस पहुंचने और वहां से घर वापस जाने के लिए दिया जाता है। लॉकडाउन की वजह से पिछले महीने की 25 तारीख से ही कर्मचारियों का ऑफिस जाना बंद है। ऐसे में जब वह आफिस पहुंचे ही नहीं तो फिर ट्रांसपोर्ट अलाउंस पर उनका दावा भी नहीं बनता है। इसलिए यदि अप्रैल महीने में इसका भुगतान नहीं भी किया जाता है तो कर्मचारियों का कोई विरोध भी नहीं होना चाहिए।

हजारों रुपये मिलते हैं ट्रांसपोर्ट अलाउंस के मद में

केंद्रीय कर्मचारियों को इस समय पे लेवल के हिसाब से ट्रांसपोर्ट अलाउंस मिलता है। पे लेवल एक और दो के कर्मचारी मतलब चपरासी और क्लर्क को बड़े शहरों में हर महीने 1350 रुपये और डीए इस मद में मिलता है। अभी डीए की दर 17 फीसदी है तो इनका मासिक ट्रांसपोर्ट अलाउंस 1529.50 रुपये होगा।

गर्मी आते ही जंगली जानवरों का गांव के नजदीक आना शुरू

■ शुक्रवार रात चिखली में तेन्दुआ ने गाय के बछड़े को बनाया अपना शिकार

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। गर्मी का मौसम आते ही ग्रामीण इलाको में जंगली जानवरो विशेषकर तेन्दुआ का गांव के नजदीक आना शुरू हो गया है। तेन्दुआ के गांव तक पहुचने से ग्रामीण इलाको में दशहत का माहौल है। लगातार जंगली जानवर के हमले की घटना सामने आ रही है। हाल में ही जंगली जानवर के हमले से दो लोगो की मौत भी चुकी है। इसके कारण ग्रामीण क्षेत्र में लोग और अधिक भयभीत है। शाम के ग्रामीण किसी भी काम से बाहर निकलने से डर रहे हैं इधर वन विभाग ने ग्रामीण क्षेत्र के लोगो से अपील की है कि शाम के बाद वे घर में ही रहे, अकेले जंगल ना जाए। इस प्रकार की घटना की सुचना तत्काल कंट्रोल रूम या वन विभाग के अधिकारियो को दे।

ज्ञात हो कि गर्मी का मौसम आते है हर साल जंगली जानवर पानी की तलाश में गांव तक पहुच जाते है इस दौरान जंगली जानवरो द्वारा लोगो पर हमला करने के साथ गाय, बैल बछड़े जैसे कमजोर जानवर को शिकार भी बनाया जाता है। जिले में भी गर्मी बढ़ने के बाद इस प्रकार की घटना सामने आने लगी है। हाल में ही ग्राम बारूका, कस, कुचेना, हरदी सहित कई गांव में इस प्रकार की घटना हो चुकी है। गत दिनो ग्राम कुचेना तेन्दुआ एक नाबालिंक बच्चे पर हमला कर उसे अपने साथ जंगल की ओर लेकर भाग गया था जिसके बाद बच्चे की मौत हो गई इसके अलावा ग्राम हरदी में भी एक महिला पर गौर प्रजाति के जानवर ने हमला कर दिया था जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके अलावा ग्राम कस में भी इस प्रकार की घटना हो चुकी है। बिते शुक्रवार की रात फिर से तेन्दुआ ने ग्राम चिखली में एक गाय के बछड़े का शिकार कर दिया। इससे ग्राम चिखली में दशहत का माहौल है। क्योकि रात के समय में मंडराता हुआ तेन्दुआ गांव के भीतर स्थित कोमल यादव के घर में बने कोठे तक पहुच गया और यहां कोठे में रखे बछड़े को अपना शिकार बनाया है। इस दौरान कोठे में बंधे अन्य गाय और भैस रस्सी तोडकर भाग निकली लेकिन अपने साथी बछड़े का शिकान बनता देख फड़फड़ाते रहे। घटना के बाद से वन विभाग ने फिर से एडवाइजरी जारी कर लोगो से अपने अपने घर में ही रहने व तेन्दुआ और जंगली जानवर के आसपास आने की सुचना तत्काल वन विभाग को देने की अपील की है।

कोरोना प्रशिक्षण का अभ्यास कर महामारी कानून संशोधन का किया समर्थन

महासमुंद। सरकारी हो या गैर सरकारी आज हर किसी के बीच कोरोना विरूद्ध लड़ाई ही प्राथमिक मुद्दा है। ऐसे में चहुं ओर चल रहे कोरोना के अभ्यास में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन महासमुंद की जिला इकाई भी अहम भूमिका में नजर आ रही है। लगातार हो रहे अद्यतन जानकारियों के अंकन और हर रोज जुड़ रही उपचार की नई तकनीकों से अवगत होते हुए आईएमए की जिला इकाई ने भी प्रशिक्षण लेकर पूर्ण अभ्यास किया। बुधवार 22 अप्रैल को हुई एक वृहदत्तर कार्यशाला में जिले के शासकीय और अशासकीय दोनों ही क्षेत्रों से आए अनुभवी एवं नामी चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से आईएमए की जिला इकाई के बैनर तले कोरोना वायरस नियंत्रण एवं रोकथाम को लेकर प्रबंधकीय एवं चिकित्सकीय प्रशिक्षण लिया। डॉ विमल चोपड़ा की अध्यक्षता एवं डा एनके मंडपे के मार्गदर्शन में हुई इस एक दिवसीय कार्यशाला में डा सुरभि जैन ने कुल 12 चिकित्सकों सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को कोविड 19 की बीमारी व इसके वायरस के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया साथ ही संक्रमण जांच एवं उपचार के दौरान रखी जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में अवगत कराया गया।

डयूटी पर तैनात 550 पुलिसकर्मियों की होगी कोरोना संबंधित जांच

राजनांदगांव। लॉक डाउन की अवधि के दौरान तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कोरोना संक्रमण संबंधित जांच कराने के निर्देश छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी ने समस्त जिलों के पुलिस कप्तानों को दिए हैं। 25 अप्रैल को पुलिस महानिदेशक कार्यालय से इस संबंध में आदेश जारी भी हो चुका है। इस आदेश के तहत जिले में तैनात लगभग 550 होमगार्ड एवं पुलिस के जवानों व अधिकारियों कोरोना संबंधित जांच एक.एक कर होगी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डीएम अवस्थी ने अपने आदेश जारी किया है कि एक माह से लॉक डाउन की अवधि के दौरान पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी निरंतर चौराहों, पिकेट्स, पेट्रोलिंग में तथा अस्पतालों में ड्यूटी पर तैनात हैं। धीरे-धीरे बाजार आदि खुलने से बड़ी मात्रा में आम नागरिकों का आवागमन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उचित होगा कि ड्यूटी पर सक्रिय रूप से तैनात इन पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी कोरोना संक्रमण संबंधित टेस्ट करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि एक साथ सभी का टेस्ट कराने की जगह क्रमवार थोड़े.थोड़े लोगों का टेस्ट कराएं। खासकर 45 वर्ष से ऊपर तथा डायबिटीज, हार्ट या अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का टेस्ट पहले कराया जाए।

जुर्माना भी होगा तथा एफआईआर भी दर्ज होगी

राजनांदगांव। लॉक डाउन के दौरान शहर में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक छूट दी गई है। इस छूट के दौरान भी यह देखा जा रहा है कि लोग बिना मास्क पहने घरों से निकल रहे हैं जिससे कि कोरोना संक्रमण का खतरा पैदा हो गया है। सरकार ने लॉक डाउन के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी साथ ही जुर्माना भी होगा। लॉक डाउन के दौरान सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण से बचने के लिए जनता से बार-बार अपील की गई कि वे घर से बाहर निकलते समय मास्क का अवश्य पहने या चेहरे को कपड़े से ढककर निकले। बार बार साबुन से हाथ धोएं। सैनिटाइजर उपयोग करें। सार्वजनिक जगह पर ना थूंके। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें। कार में 2 से अधिक लोग ना हो। इसके बावजूद भी लोग नियमों का उल्लंघन करते देखो घूमते देखे जाते हैं। इन पर लगाम कसने के लिए सरकार ने सख्ती बरतने का निर्णय लिया है।

आमामोरा में मलेरिया जांच हेतु एक्टिव सर्विलेंस शुरू

गरियाबंद। जिले के दूरस्थ पहाड़ी पर स्थित ग्राम आमामोरा में गत दिनों मलेरिया मरीजों के पाये जाने की सूचना मिलने के तत्काल बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोसमी के स्वास्थ्य टीम द्वारा दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे आमामोरा में स्वास्थ्य शिविर लगाकर एवं घर-घर भम्रण कर सर्दी, बुखार, हाथ पैर दर्द पीड़ितों की जांच किया गया। जिसमें 5 मलेरिया पॉजेटिव मरीज मिले, जिनका पूर्व से ही मलेरिया का उपचार चल रहा था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. एन.आर.नवरत्न ने स्वयं आमामोरा पहुंचकर गांव घुम-घुम कर पीड़ित मरीजों का जांच किया एवं 2 दिवस के भीतर आमामौरा के सभी लोगों का मलेरिया जांच के लिए एक्टिव सर्विलेंस करने के निर्देश दिये।

25 अप्रैल को जिले के सभी विकासखंड में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मैनपुर के खण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं मलेरिया जिला नोडल अधिकारी डॉ. कालेश्वर नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में अन्य वर्षों की अपेक्षा मलेरिया पीड़ितों की संख्या में कमी आई है। तथा मलेरिया के अधिक प्रकरणों वाले क्षेत्रों में लॉकडाउन समाप्त होने के पश्चात् डीडीटी छिड़काव का कार्य प्रारंभ कर दिया जावेगा। ग्राम आमामोरा एवं ओड़ पंचायत के सभी आश्रित ग्रामों मे मलेरिया की रोकथाम हेतु डीडीटी छिड़काव का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

लॉकडाउन में भी मरदा में खुलेआम बिक रही अवैध महुआ की शराब

लवन। लॉकडाउन के चलते छत्तीसगढ़ के सभी देशी व अंग्रेजी शराब दुकान को 28 अप्रैल तक बंद करने के लिए आदेशित किया गया है। वही क्षेत्र में पुलिस व आबकारी विभाग की उदासिनता के चलते जमकर अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। गांव-गांव में महुआ शराब बन और बिक रहा है। पूरे प्रदेश में लॉकडाउन के बाद भी क्षेत्र में अवैध रूप से कच्ची महुएं की शराब बिक रही है, खुलेआम हो रही अवैध शराब की बिक्री से गांवों का माहौल खराब हो रहा है, वही युवा पीढ़ी भी नशे की आदी होते जा रही है। ऐसा नहीं है कि अवैध बिक्री होने की जानकारी आबकारी व पुलिस विभाग को नहीं है, जानकारी होने के बावजूद भी अवैध शराब की बिक्री पर लगाम नहीं लग पा रहा है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालियां निशान उत्पन्न हो रहे है। लॉकडाउन के दौरान छत्तीसगढ़ में 22 मार्च से 28 अप्रैल तक संचालित सभी देशी व अंग्रेजी शराब दुकानों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सकें। मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र में बिक रही अवैध कच्ची शराब के चलते संक्रमण का खतरा बढ़ने लगा है। बलौदाबाबाजार ब्लॉक के अन्तर्गत, लवन से 10 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत मरदा जहां शराब की बे-रोकटोक बिक्री जारी है। यहां मदिरा प्रेमियों को गांव में बिना मशक्त किये ही शराब उपलब्ध हो जा रही है।

कोरदा में अन्नपूर्णा रथ पहुंचने पर ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर किया दान

लवन। प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला पंचायत द्वारा निकाले गए अन्नपूर्णा रथ में ग्रामीण उदार होकर दान कर रहे है। रथ में खाद्य सामाग्री के रूप में दान एकत्र किया जा रहा है, जिसे गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच बांटा जा रहा है, अन्नापूर्णा डोनेशन रथ के गांव पहुंचने पर नव निर्वाचित सभी सरपंच, पंच, एवं ग्रामीणों के द्वारा बढ़ चढ़कर सहयोग कर रहे है। जिसमें अन्नदान से लेकर नगदी सहित दैनिक उपयोग में आने वाले सभी आवश्यक वस्तए भी दान कर रहे है। इसी क्रम में बलौदाबाजार विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कोरदा पहुंचने पर ग्रामीणों ने उत्साह के साथ दान किया। पूरे ग्रामीणों ने 5 क्वींटल 30 किलो चावल, दाल 20 किलो, 5502 रूपये ग्रामीणों के द्वारा वही गांव में संचालित महिला स्व सहायता समूहों द्वारा 3500 रूपये सहित कुल 9 हजार 2 रूपये अन्नापूर्णा रथ को दान दिए।

लॉकडाउन से बेमेतरा जिले की थमी सिंचाई योजनायें हुई प्रारंभ

बेमेतरा/साजा। लाकडाउन की वजह से थमी जल संसाधन विभाग की योजनायें लाकडाउन के दूसरे चरण में कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सशर्त अनुमति मिलते ही आरंभ हो गई है। बेमेतरा जिले के अंतर्गत साजा विधानसभा की गब्दी व्यपवर्तन योजना, नर्बदा व्यपवर्तन योजना, झिपनिया व्यपवर्तन योजना, अकलवारा एनीकट, बेमेतरा विधानसभा के अंतर्गत मरजादपुर जलाशय के नहर का रिमाडलिंग एवं लाईनिंग का कार्य, देवरबीजा पिकअप वियर, शिवनाथ उद्वहन सिंचाई योजना की नहर का निस्तारीकरण तथा लाईनिंग कार्य तथा नवागढ़ विधानसभा अंतर्गत छुईया नाला बाढ़ नियंत्रण, नांदल-खैरी एनीकट, टेमरी उद्वहन सिंचाई योजना का नहर कार्य एवं चक्रवाय-तुमा बाढ़ नियंत्रण अंतर्गत तट सुरक्षा कार्य प्रारंभ कर दिये गये है।

ग्रामीणों को दी जा रही है, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की समझाईश

बेमेतरा/साजा। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) जिला बेमेतरा के द्वारा कोविड-19 महामारी से बचाव के लिए जिला कलेक्टर शिव अनंत तायल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन मे स्व-सहायता समूह के सदस्यों ने मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों मे जागरुकता का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। स्वच्छता समूहों के द्वारा गांव मे घर-घर जा कर के कोरोना वायरस से बचाव के बारे मे बताया जा रहा है एवं बिना वजह घर से न निकले, जरुरी कार्यो से सदि घर से बाहर निकलना पड़े तो मास्क या गमछा से पूरी तरह से मुंह नाक को ढक करके निकल सकते है। हॉट बाजार एवं सार्वजनिक जगहों मे कम से कम दो मीटर सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान मे रखकर खरीददारी करें।

कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने कलेक्टर ने ली व्यापारियों की बैठक

बेमेतरा/साजा। कोरोन वायरस संक्रमण से निपटने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिव अनंत तायल ने आज बेमेतरा शहर के व्यापारियों की बैठक ली। बैठक मे बताया गया कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वार समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। व्यापारियों ने भी शासन के निर्देशों का पालन करने की बात कही। बैठक मे विधायक बेमेतरा आशीष छाबड़ा, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान सहित व्यापारी गण उपस्थित थे। बैठक मे बताया गया कि 14 अप्रैल को जिले मे दण्डप्रक्रिया संहिता की धारा 144 की प्रभावशीलता रविवार 03 मई 2020 तक के लिए बढाया गया है।

सर्व ब्राम्हण समाज साजा नगर इकाई ने की नई पहल

साजा। भगवान परशुराम जयंती पर सर्व ब्राम्हण समाज साजा नगर इकाई ने इस बार कोरोना लॉकडाउन के चलते विशेष पहल की इस वर्ष उन्होंने प्रत्येक सामाजिक घरो में परशुराम भगवान की फ़ोटो व पूजन सामग्री वितरण की व सभी से सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुवे घर पर ही पूजा करने का निवेदन दिया उक्त कार्यक्रम में सर्व ब्राम्हण के सभी ने सहयोग किया व उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुवे युवा इकाई के अध्यक्ष विप्लव गौरहा ने बताया कि सभी ब्राम्हण समाज ने मिलकर कोरोना से विश्व को जल्द निदान मिलने की प्राथना की । उक्त पहल में महिला इकाई की अध्यक्ष मनीषा चौबे ,शोभा शर्मा,श्वेता शर्मा,सुरभि शर्मा अंकिता तिवारी, संध्या शुक्ला,निशा मिश्रा , स्वाति गौरहा , दीपक शर्मा , अभिषेक शर्मा , सौरभ दुबे , सुमित शर्मा , प्रतीक चौबे , रवि तिवारी , मुकेश शर्मा , आशीष शर्मा अन्य के सहयोग से सम्पन्न हुवा ।

जुआरियों से चार हजार जब्त

महासमुंद। पुलिस ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर तिलाईदादर जंगल के पास सरईपाली निवासी चरण यादव, परसराम विश्वकर्मा, घनश्याम नाई, बिराजपाली निवासी दसरूराम लोहार, लमकेनी निवासी नंदलाल पटेल को जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ा। जुआरियों के कब्जे से नगदी 4050 रुपए, 52 पत्ती ताश, 5 नग मोबाइल, 5 मोटरसाइकिल जब्त किया गया। थाना तेंदूकोना में धारा 188, 269, 270 भादवि 13 जुआ एक्ट का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

नाबालिग का दिनदहाड़े अपहरण

महासमुंद। बसना क्षेत्र की 13 वर्षीया किशोरी को दिनदहाड़े दो युवक बाइक में भगा ले गए। अभिभावक की शिकायत पर पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ अपरहरण का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक पौंसरा निवासी दीपेंद्र विशाल और चंद्रमणी भोई ने शनिवार अपरान्ह करीब तीन बजे नाबालिग को उसके घर के बाहर से ही बाइक में जबरन बिठाकर भाग गए। बाद अधेड़ पिता ने शाम को थाना पहुंच इसकी जानकारी दी। पुलिस धारा 363/34 के तहत अपराध दर्ज करते हुए नाबालिग की तलाश में जुट गई है।

सब्जी जलने से पत्नी की पिटाई

महासमुंद। सब्जी जलने से नाराज युवक ने पत्नी की पिटाई कर दी। बाद महिला ने थाने पहुंच पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बरबसपुर निवासी रेवती सोनवानी के अनुसार शनिवार सुबह 9 बजे पति महेंद्र सोनवानी ने सब्जी जला दिए हो कहते हुए हाथ मुक्का व डंडा से मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने उक्त युवक के खिलाफ धारा 294, 323, 506 के तहत अपराध दर्ज किया है।

कार से शराब बरामद

महासमुंद। शनिवार रात एनएच-53 में पटेवा बस स्टैंड के पास कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने रायपुर जिले के दो युवकों के कब्जे से 10 लीटर महुआ शराब बरामद की। पुलिस ने बताया कि बस स्टैंड के पास खड़ी कार क्रमांक सीजी 04 एलडब्ल्यू 1566 के चालक को शराब परिवहन करते पकड़ा। कार सवार आरंग निवासी विवेक दुबे पिता शिवसेवक (37)और उसके एक अन्य साथी को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

गिरने से अधेड़ की मौत

महासमुंद। साइकिल में लकड़ी बांधकर घर लौट रहे अधेड़ की रास्ते में गिरने से मौत हो गई। पिथौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर की इस घटना में सोबिन पटेल पिता रंजित पटेल (54) शनिवार सुबह करीब 10 बजे साइकिल से लकड़ी ढो रहा था इस दौरान वह अनियंत्रित होकर गिर गया। गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

नदी बाड़ी की फसलों को नुकसान

महासमुंद। ओलावृष्टि से सब्जियों और फसल को अधिक नुकसान पहुंच रहा है। नदी बाड़ी की फसल लेने वाले किसानों को नुकसान पहुंचा है। किसान जोंक व महानदी में तरबूज-खरबूज के साथ सब्जियों की फसल ले रहे हैं। बागबाहरा क्षेत्र के सीमगांव के 12 किसानों की नदी खार में लगाए 50 एकड़ की फसल खराब हो गई। किसानों ने अपनी परेशानी से ब्लॉक कांग्रेस बागबाहरा के ग्रामीण अध्यक्ष अंकित बागबाहरा को अवगत कराया। उन्होने तत्काल तहसीलदार से इस संबंध में चर्चा की।

विधि-विधान से रचाई गुड्डे-गुड़ियों की शादी

बिरकोनी। अक्षय तृतीया पर्व पर बच्चों में भारी उत्साह देखा गया। बिरकोनी में बच्चों ने गुड्डे-गुडियों की शादी रचाई। घरों में बच्चों की टोली ने बड़ों के साथ मिलकर बकायदा मंडप सजाया। कोरोना संक्रमण को देखते हुए बच्चों ने जागरुकता दिखाई और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही शादी के मंडप को सेनिटाइजर किया। बच्चों ने मंडप सजाकर विधि-विधान के साथ गुड्डे-गुडियों की शादी रचाई। बच्चों ने विवाह की सभी रस्में पूरी की। चूलमाटी से लेकर हल्दी चढ़ाने, बारात स्वागत के साथ टीकावन भेंट की रस्म पूरी की। बड़ों ने भी टीकावन के रूप में पैसे भी दिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कोटा से छात्रों को

लाने के लिए भेजी गई डॉक्टरों की टीम ने उसका प्राथमिक उपचार किया है। बच्ची के हाथ में चोट आने की जानकारी प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बस में 28 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि इन 28 लोगों को 66 नंबर की बस में शिफ्ट किया गया है।

सबकी सुरक्षित यात्रा की कामना करता हूं : मुख्यमंत्री

राजस्थान को कोटा में फंसे छत्तीसगढ़ के छात्रों को लेने गई बसें राज्य के 2247 छात्रों को ला रही हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा है-'कोटा में हमारे 2247 बच्चे बसों में बैठ चुके हैं। हमारे बच्चे जल्द वापस आएंगे। दो बसें जिनमें कि क्वारंटाइन किए गए बच्चों को लाया जा रहा है, कुछ दिन बाद पहुंचेंगी। मैं सबकी सुरक्षित यात्रा की कामना करता हूं।' उल्लेखनीय है कि ये छात्र राज्य के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। इन सभी बच्चों के छत्तीसगढ़ पहुंचने के बाद सुरक्षा के लिहाज से इन्हें 14 दिन के लिए क्वारंटाइन किया जाएगा। रास्ते से कुछ बच्चों ने अपने-अपने पालकों को भी वॉट्सअप के माध्यम से शिवपुरी तक पहुंच जाने की जानकारी साझा की है।

एम्स अधिकारी के संपर्क...

के आसपास के इलाकों को सुरक्षा के लिहाज से सैनिटाइज किया गया था। वहीं उनके संपर्क में आने वाले लोगों की बकायदा लिस्टिंग करते हुए उनका कोरोना टेस्ट कराया गया था। राहत की बात यह रही किअधिकारी के संपर्क में आने वाले लोगों की जांच रिपोर्ट में कोरोना नेगेटिव आया है। इस बात की जानकारी मिलते ही एम्स प्रबंधन ने इसकी सूचना बकायदा राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी है।

अधिकारी ने बरती थी सावधानी :

प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्सिंग अधिकारी ने भी बहुत सावधानी बरती और अपने आप को पूरी तरह से सीमित कर लिया था। जिसके कारण उनके संपर्क में काफी कम लोग आए थे। इन सभी लोगों की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने से अब लोगों ने राहत की सांस ली है।

अर्थव्यवस्था को अहमियत...

ने उनके राज्य में कोरोना की मौजूदा स्थिति तथा लॉकडाउन के प्रभाव की जानकारी दी। इस दौरान देश को लॉकडाउन से चरणबद्ध तरीके से बाहर लाने के उपायों पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय एवं अन्य संबद्ध मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनार्ड संगमा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी बैठक में हिस्सा ले रहे हैं।

हॉटस्पॉट पर राज्यों की दी ये सलाह

मोदी ने राज्यों से हॉटस्पॉट और रेड जोन वाले क्षेत्रों में लॉकडाउन सख्ती से लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्यों को कोशिश करनी चाहिए कि रेड जोन को ऑरेंज जोन में और उसके बाद ग्रीन जोन में तब्दील किया जाए।

22 मार्च से मुख्यमंत्रियों से चार बार कर चुके चर्चा : बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्रियों ने कहा, 'लॉकडाउन के सकारात्मक नतीजे आए हैं। देश पिछले डेढ़ महीने में हजारों जानें बचा पाया है। आने वाले महीनों में कोविड-19 असर दिखाता रहेगा। मास्क जिंदगी का हिस्सा होंगे।'

24 घंटे में कोरोना से...

कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक मामले 8068 महाराष्ट्र से ही आए हैं। इसके बाद 3301 मामलों के साथ गुजरात दूसरे, जबकि 2918 मामलों के साथ दिल्ली तीसरे स्थान पर है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जोर देकर कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के लिए पूर्णबंदी का कदम कारगर रहा है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए राज्यों को 'दो गज दूरी' के मंत्र को ध्यान में रखते हुए इससे बाहर निकलने की चरणबद्ध योजना पर काम शुरू करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना का खतरा लंबा चलने की आशंका है इसलिए अब सबको कोरोना से निपटने के साथ साथ अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के बारे में भी योजना बनाकर उसे अमल में लाना होगा।

दुनिया में 2 लाख से ज्यादा...

हुए हैं तथा 2.07 लाख लोगों की मौत हुई है। भारत में भी कोरोना वायरस तेजी से पैर पसार रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अब तक 20385 लोग इससे संक्रमित हुए हैं तथा 872 लोगों की मौत हुई है। देश में अब तक 6184 लोग इसके संक्रमण से निजात पा चुके हैं।

कश्मीर में 24 घंटे...

दल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलाईं। दोनों पक्षों के बीच चली मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के भाग निकलने के प्रयासों को विफल करने के लिए समीप के शिविरों से अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया है।

दो चीनी कंपनियों के...

भेज दें। इससे पहले आईसीएमआर ने राज्यों से दो दिन के लिए रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट्स का इस्तेमाल रोकने को कहा था। आईसीएमआर ने राज्यों को यह निर्देश देते हुए रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट किट्स उपलब्ध कराया है कि इनका इस्तेमाल सिर्फ सर्विलांस के लिए किया जाएगा।

टेस्टिंग कीट कीमत पर...

करना चाहती है तो आईसीएमार से या मेसर्स अनु नगर, जेएस हेल्थ रिसर्च (011-23736222) से संपर्क करे।

दुनिया में 82.1 करोड़ लोग...

को टाल सकते हैं और भूखमरी से होने वाली मानवता की विनाशकारी मौतों को टाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब पूरे विश्व में 82.1 करोड़ लोग रोज रात को भूखे सो रहे हैं, 13.5 करोड़ और लोग भूखमरी के संकट या उससे भी बुरे स्तर का सामना कर रहे हैं और विश्व खाद्य कार्यक्रम का एक नया आकलन दिखाता है कि कोविड-19 के परिणामस्वरूप 13 करोड़ लोग 2020 के अंत तक भुखमरी के कगार पर पहुंच जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

देर रात जांजगीर पहुंचे मजदूरों के लिए एसडीएम व तहसीलदार बन गए रसोइया

नवप्रदेश संवाददाता

जांजगीर-चांपा। रात को तेज बारिश में रायपुर व बलौदाबाजार से 30 मजदूर भूखे प्यासे जांजगीर पहुंचे। एसडीएम व तहसीलदार को जब पता चला तो तेज बारिश में दोनों अधिकारियो ने पहुंच कर मजदूरों को आश्रय स्थल में ठहराया व मजदूरों के लिए खुद ही भोजन बनाने में लग गए।रात करीब एक बजे भोजन बनाकर सभी मजदूरों को भरपेट भोजन कराकर सुबह 4:30 बजे दोनों अधिकारी अपने घर को लौटे।

जिला ग्रीन जोन में है यहाँ एक भी पॉजिटिव मरीज नही मिले हैं। इसके बावजूद कोरोना महामारी से जंग अभी थमा नही है और ना ही प्रशानिक अधिकारियों के फर्ज में कमी आई है। ऐसा ही नजारा बीती रात जांजगीर में देखने को मिला।रात करीब 12.30 बजे बलौदा बाजार से 22 और रायपुर से 8 मजदूर जांजगीर पहुंचे। इस दौरान बिजली गुल थी और तेज बारिश हो रही थी। सभी मजदूर भूखे प्यासे जांजगीर तक पहुंचे थे।

इस बात की सूचना जब एसडीएम मेनका प्रधान और तहसीलदार प्रकाश साहू को मिली तब दोनों ने रात करीब एक बजे सभी को जांजगीर के केरा रोड स्थित आश्रय स्थल में पहुंचाया। साथ ही भूखे मजदूरों के लिए भोजन की व्यवस्था में लग गए।

मजदूरों का हुआ मेडिकल जांच

बीती रात 12 बजे भारी बारिश के दौरान जांजगीर पहुंचे इन सभी मजदूरों को पहली प्राथमिकता भोजन कराने की थी क्योंकि इतनी रात को मेडिकल स्टॉफ को आश्रय स्थल बुलाना मुमकिन नहीं था। जिसकी वजह से एसडीएम मेनका प्रधान और तहसीलदार प्रकाशन साहू ने पहले इनके भोजन और आवास की व्यवस्था की। खुद को सुरक्षित रखने की भी समस्या इन के सामने थी, लेकिन कर्तव्य का पालन भी जरूरी था। इसकी वजह से इन्होंने पहले मजदूरों के भोजन और आवास की व्यवस्था को प्राथमिकता दी। आज सभी मजूदरों का कराया जाएगा मेडिकल। जिसके बाद उन्हें उनके गंतव्य स्थल के लिए रवाना किया जाएगा।

देर रात मजदूरों के जांजगीर पहुंचने की सूचना मिलने पर उनके रहने खाने का प्रबंध आवश्यक था, सभी को देर रात भोजन कराने के बाद बालक छात्रावास में ठहराया गया है। आज सभी का मेडिकल कराया जाएगा।

मेनका प्रधान, एसडीएम जांजगीर

रात करीब एक बजे सभी के लिए एसडीएम मैडम और मैंने मिलकर भोजन तैयार किया है क्योंकि रसोइए थके हुए थे और इतनी रात भोजन बनाने के लिए सहमत नहीं हो रहे थे। तब हमने मिलकर भोजन तैयार किया और भूखे प्यासे मजदूरों को भोजन कराकर बालक छात्रावास में उनके रुकने की व्यवस्था की।

प्रकाश साहू, तहसीलदार जांजगीर

न्यूज गैलरी

इंडियन कॉफी हाउस परिवार ने दान की राहत सामग्री

बचेली। लाकडाउन प्रभावितों के लिए नगर के सभी वर्ग के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसी कड़ी में आज इंडियन कॉफी हाउस बचेली परिवार की ओर से तहसील कार्यालय में ?10,000 का सूखा राशन दान किया गया, जिसमें चावल तेल,नमक,मिर्च,हल्दी,नहाने का साबुन एवं कपड़े धोने का साबुन शामिल है इस दौरान तहसीलदार श्री पीआर पात्र ,इंडियन कॉफी हाउस के बी.अजीथन नायर,दिनेश कुमार,सुशील कुमार की मौजूदगी रही। तहसीलदार पीआर पात्र के मुताबिक यह राहत सामग्री आसपास के ग्रामीण इलाकों में प्रभावितों को प्रदान की जा रही है। वहीं नगरपालिका परिषद के खाद्य भंडार से नगरपालिका क्षेत्र में सामग्री प्रभावितों को वितरित की जा रही है।

इंटक परिवार की ओर से जरूरतमंदों को दिया जा रहा 2 वक्त का भोजन

बचेली। एक ओर लोग इस महामारी में लोगो की मदद करते हुए असहाय लोगो के साथ अपनी तस्वीर लेते नजर आ ही जाते है। ऐसे में कुछ लोग है जो दिखावे में विश्वास नही रखते हुए लोगो की मदद कर रहे है। जी हां हम बात कर रहे है बचेली इंटक परिवार के लोगो की मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन के लोग नगर के असहाय एवं बेसहारा लोगो के लिए दोनो वक्त का भोजन मुहैया करवा रहे है। इनका मानना है की नगर में ऐसे भी लोग है जो राशन दिए जाने पर भोजन बनाने में असमर्थ है। ऐसे लोगो के लिए दोनो वक्त का भोजन पैकेट बनाकर नगरपालिका प्रशासन के माध्यम से नगर के असहाय एवं बेसहारा लोगो को दिया जा रहा है। इसके पीछे इंटक के लोगो का सिर्फएक ही मकसद है की कोई भी नगर में भूखा ना रहे। इंटक के इस कार्य की पूरे नगर में सराहना हो रही है। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पूजा साव ने भी इंटक परिवार को इस नेक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया है।

229 वीं वाहिनी ने कोविड-19 के सम्बंध में जागरूकता अभियान चलाया

बीजापुर। ग्राम पंचायत कोत्तागुड़ा व कमरगुड़ा आवापल्ली में कोमल सिंह उप महानिरीक्षक बीजापुर ऑप्स रेंज एवं विवेक भंड्राल कमाण्डेंट 229 वी वाहिनी के मार्गदर्शन में कोविड-19 के सम्बंध में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के बीच सोशल डिसटैंसिंग का ध्यान रखते हुए इस महामारी से बचाव के लिए फेस मास्क, हैण्ड ग्लब्स, हैण्ड वाश, साबुन, हारपिक, लाईजोल, हैण्ड सैनेटाईजर एवं साफ- सफाई की अन्य सामग्री वितरित की गई। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों के सहयोग से गांव की गली व कूचों में ब्लीचंग पाउडर का छिडकाव तथा घर-घर जाकर सोडियम हाईपोक्लोरेट सोल्यूशन का छिड़काव भी किया गया।

एनएचएम की एमडी डॉ प्रियंका शुक्ला ने कोविड-19 हॉस्पिटल और जिला अस्पताल का लिया जायजा

बीजापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रबन्ध संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला के साथ 7 सदस्यीय विशेषज्ञ टीम ने जिले के कोविड.19 हॉस्पिटल बीजापुर और जिला अस्पताल का जायजा लिया। उन्होने सभी आवश्यक सुविधाओं को अतिशीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। इस दौरान उक्त दल ने जिला अस्पताल और शैय्यायुक्त कोविड.19 हॉस्पिटल के विशेष वार्डों का निरीक्षण किया।

लॉक डाउन के बावजूद एनटीपीसी ने जारी रखी बिजली की निर्बाध आपूर्ति

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। कोरोना महामारी के कारण उपजे हालात में भी भारत के सबसे बड़े बिजली उत्पादक और ऊर्जा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम एनटीपीसी को विचलित नहीं कर पाए हैं। वर्तमान मुश्किल दौर में भी एनटीपीसी राष्ट्र को बिजली की निर्बाध आपूर्ति प्रदान करने में जुटा हुआ है। इस महारत्न कंपनी का प्रत्येक पावर स्टेशन अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम कर रहा है और इस दिशा में इसे केंद्रीय बिजली, नवीन और नवनीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आरके सिंह के नेतृत्व में ऊर्जा मंत्रालय का पूरा सपोर्ट और मार्गदर्शन मिल रहा है। कोविड-19 संकट ने एक बार फिर विद्युत उपयोगिताओं के महत्व को रेखांकित किया है और एक बार फिर

यह साबित हुआ है कि अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों के सुचारू संचालन में बिजली की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। बिजली की निरंतर आपूर्ति के लिए एनटीपीसी कोयला आपूर्ति का कुशल प्रबंधन भी कर रहा है।

यहां तक कि एनटीपीसी के तमाम कर्मचारी फ्रंटलाइन पर काम करते हुए यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि चैबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति जारी रहे। एनटीपीसी ने कहा है कि उसके सभी संयंत्र लॉक डाउन और सामाजिक दूरी से संबंधित सभी दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन कर रहे हैं। बिजली उत्पादन के साथ-साथ एनटीपीसी समाज के वंचित वर्ग के लोगों और प्रवासी कामगारों को राशन सामग्री और चिकित्सा सहायता प्रदान करके सामाजिक कल्या की गतिविधियों में भी अपनी ओर से समृद्ध योगदान दे रहा है। एनटीपीसी का प्रबंधन तमाम घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी कर रहा है ताकि देश के हर कोने में कोविड-19 के खिलाफलड़ाई के दौरान पर्याप्त रूप से बिजली मिलती रहे।

पावर स्टेशनों के अपने बेड़े में एनटीपीसी विंध्याचल देश का सबसे बड़ा पावर स्टेशन है, जिसने 13 अप्रैल 2020 को 100 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ हासिल किया और भारत के पहले अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल पावर स्टेशन एनटीपीसी खरगोन की 660 मेगावॉट यूनिट इस अवधि में वाणिज्यिक हो गई, जो लॉक डाउन के बावजूद संचालन संबंधी कार्यों को लेकर एनटीपीसी की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित 62110 मेगावाट क्षमता के साथ, एनटीपीसी के पास 70 पावर स्टेशन हैं, जिनमें 24 कोयला, 7 कम्बाइंड साइकल गैस/लिक्विड फ्यूल, 1 हाइड्रो, 13 नवनीकरणीय और 25 जेवी पावर स्टेशन हैं।

भालू के हमले से चरवाहा घायल, करतला स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा उपचार

कोरबा। लाकडाउन में जंगल की ओर लोगों की चहलकदमी कम होने व महुआ सीजन के कारण खतरनाक वन्य प्राणी गांव के आसपास ही मंडरा रहे हैं। तथा जंगल पहुंचने वालों को अपना निशाना बनाकर घायल कर रहे हैं। ऐसी ही घटना में आज भालू ने करतला क्षेत्र में एक चरवाहे पर हमला कर उसे लहू लुहान कर दिया। भालू के हमले में घायल चरवाहे को उपचार के लिए सामूदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार चारमार निवासी संतराम पिता कार्तिकराम 55 वर्ष आज सुबह 7.30 बजे नोनदरहा गांव के पास जंगल में बकरी चराने गया था। तभी पेड़ के पीछे छिपे एक भालू ने उस पर हमला बोल दिया। भालू के हमले से चरवाहा लहुलूहान हो गया। उसने चीख पुकार मचाने के साथ ही ग्रामीणों को मदद के लिए आवाज लगाई। संतराम की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हमलावर भालू को भगाने के साथ ही घायल चरवाहे को 112 की मदद से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला पहुंचाया।

एसकेएमएस परिवार एवं नगर के गणमान्य लोगों ने अपोलो अस्पताल में कोरोना योद्धाओं पर बरसाए फूल

- नगरवासियों ने कोरोना वॉरियर्स का बढ़ाया मान / फूल बरसाकर डॉक्टर व स्टाफका किया स्वागत, लोग बोले- आप सच्चे योद्धा, करते हैं नमन

बचेली। संयुक्त खदान मजदूर संघ एसकेएमएस परिवार एवं नगर के गणमान्य लोगों ने आज अपोलो अस्पताल जाकर अस्पताल के डॉक्टर,नर्स,समूचे स्टाफ के ऊपर पुष्प वर्षा कर तालियों की गड़गड़ाहट से स्वास्थ्य कर्मियों का हौसला बढ़ाया। इस महामारी में स्वास्थ्य कर्मचारियों की अहम भूमिका रही है। ये लोग दिन रात अपनी जान की परवाह किये बगैर मरीजो की सेवा में लगे हुए है।

कई डॉक्टर इलाज करने के दौरान इस महामारी से ग्रसित होकर देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर चुके है। कई कर्मचारी अपने परिवार से दूर रहकर देश की सेवा में लगे हुए है। अपोलो अस्पताल प्रबंधन की टीम कोरिन टाइन,आईसुलेट किये गए परिवारों की रोजाना सुध लेती रहती है। नगर में कोई भी इस महामारी से पीड़ित ना हो इसके लिए अपोलो अस्पताल के सी.एम.ए डाक्टर हक की टीम शुरुआत से ही सक्रिय रही है।

फिर वो चाहे बाहरी राज्यो से आये हुए लोग हो या संक्रमित क्षेत्र से आये हुए लोग हो सबकी पूरी जांच की जा रही है। हाल ही में नगर के व्यवसाइयों बैंक कर्मचारियों अपोलो अस्पताल के स्टाफ दुग्ध व्यवसाइयो का भी सेम्पल भेजा गया था। इन कर्मवीरों को एस.के.एम.एस परिवार एवं नगर के गणमान्य लोगों ने आभार व्यक्त करते हुए नगरवासियो की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

यातायात सैनिक महेश मिश्रा ने भी पेश की मानवता की मिसाल

बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के यातायात विभाग में पदस्थ सैनिक महेश मिश्रा इन दिनों कोरोना वायरस के प्रभाव से बचने के लिए आमजन को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं जिसके तहत बैकुंठपुर नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मार्गो व स्थलों में जाकर इससे बचने के उपायों की जानकारी दे रहे हैं।

गौरतलब है कि मिश्रा निरंतर जागरूकता अभियान संचालित करने के लिए जाने जाते हैं पूरे वर्ष भर इनके द्वारा यातायात जागरूकता अभियान संचालित किया जाता है अब चूंकि इस समय कोरोना वायरस एक गंभीर समस्या बनकर आया है जिससे निजात पाना अत्यंत आवश्यक है इस वायरस का इलाज जागरूकता एवं बचाव के तरीके ही हैं जिसके तहत उन्होंने बताया कि छींकते व खाँसते समय अपना मुंह टीशू या रुमाल से ढकें, किसी भी सामान को छूने के बाद तुरंत अपने हाथों को साबुन या हैंड वॉश अथवा सैनिटाइजर से साफकरें, अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई है तो डॉक्टर से संपर्क करें, अगर आप में कोरोना वायरस के लक्षण है तो कृपया हेल्पलाइन नंबर 07712235 091 पर कॉल करें, भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें अत्यंत आवश्यक हो तभी अपने घरों से निकलें, कोरोना वायरस से संबंधित किसी भी प्रकार का अफवाह, भ्रम या डर ना फैलाएं खुद जागरूक रहें व दूसरों को भी जागरूक करें।

तृवशाक संघ ने सौंपा ज्ञापन

जांजगीर। छ.ग.प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला शाखा जांजगीर-चाम्पा जिला अध्यक्ष रामकिशोर शुक्ला के नेतृत्व मे केन्द्र सरकार के द्वारा कर्मचारियों व पेन्शनरो के मंहगाई भत्ता पर रोक लगाने के आदेश पर पुनर्विचार करने तथा छत्तीसगढ़ राज्य मे उक्त आदेश लागू नही करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री / मुख्यमंत्री छ. ग. शासन का ज्ञापन अपर कलेक्टर जांजगीर-चाम्पा के माध्यम से सौपा गया। जिले मे लागू धारा 144 व सोशल डिस्टेसिग का पालन करते हुए मास्क पहनकर संघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष अशोक राठौर, जिला सचिव के.के. थवाईत, मनहरण थवाईत, ओ.पी. जायसवाल उपस्थित थे।

कोटा से आने वाले विद्यार्थी 14 दिन रहेंगे एकलव्य विद्यालय में

कोरबा । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रयासों से राजस्थान के कोचिंग हब से छत्तीसगढ़ के छात्र-छात्राओं को लेकर बसें आज शाम सात बजे के बाद कोटा से रवाना हो जायेंगी। कोटा से कोरबा जिले के 141 छात्र-छात्राओं के इन बसों से परसों सुबह तक कोरबा पहुँचने को सम्भावना व्यक्त की जा रही है।इन सभी विद्यार्थियों को कोरबा पहुँचने के बाद चैदह दिन क्वारेंनटाइन में रखा जाएगा। जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों को क्वारेंनटाइन करने छुरी के एकलव्य विद्यालय के होस्टल में सभी व्यवस्थाएँ कर ली है। यहाँ विद्यार्थियों के पहुँचने पर उनका मेडिकल चेक अप किया जाएगा। क्वारेंनटाइन अवधि में विद्यार्थी किसी अन्य व्यक्ति के सम्पर्क में नही आएँगे। सर्दी, खांसी, बुखार और साँस की तकलीफवाले विद्यार्थियों की विशेष जाँच भी की जाएगी। बिलासपुर संभाग के विद्यार्थियों को लेकर बसें कोटा में तीन तय जगहों से आज 26 अप्रेल को शाम सात बजे छत्तीसगढ़ के लिए रवाना होंगी। कोटा के कंट्री इन से नौ बसें, सत्यार्थ से आठ बसें और कुनहाड़ी से 11 बसें बिलासपुर संभाग के विद्यार्थियों को लेकर रवाना होंगी। कोटा जिला प्रशासन द्वारा इसकी सूचना सभी कोचिंग संस्थानों को दी गई है। कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल ने एकलव्य विध्यालय में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को दिए है।

बुधवारी बाजार और अन्य क्षेत्रों का कलेक्टर ने निरीक्षण

कोरबा। आवश्यक वस्तुओं के अलावा इलेक्ट्रिकल्स और अन्य उपयोग से जुड़ी दुकानों को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक खोले रखने की व्यवस्था पर काम शुरू हो गया है। जन आवश्यकता को ध्यान में रख यह निर्णय लिया गया। व्यवस्था के 24 घंटे बाद ही कोरबा के पावर हाउस रोड में भीड़ का नजारा यह था कि जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई। उधर प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने बाजार सहित कई क्षेत्रों का मुआयना किया और देखा कि नियमों के पालन में लोगों की रूचि कितनी है। लॉकडाउन के दूसरे चरण में स्थिति की समीक्षा के आधार पर व्यवसाय के लिए एक दिन पहले छूट दी गई। छूट का आज दूसरा दिन था। पूर्व की तुलना में दुकानें दो घंटे अधिक समय खोली जानी हैं और इसमें नई श्रेणियों की दुकानें शामिल की गई है। नई व्यवस्था के दूसरे दिवस गजब के नजारे सड़कों पर दिखे। सुबह कारोबार के निर्धारित समय के साथ ही सड़कें ऐसे पैक हो गई मानो कोई प्रतिबंध है ही नहीं। पीएच रोड और अन्य क्षेत्रों में न केवल चहल-पहल रही बल्कि लोगों के जमावड़े से यातायात में ठहराव भी हो गया। अक्सर ऐसा दृश्य तब नजर आता है जब जाम की समस्या निर्मित होती है। इधर, आज दूसरे दिन डीएम और एसपी ने शहर का भ्रमण किया।

विद्युत सब स्टेशन के ऑपरेटरों को नहीं मिला सात माह से वेतन

जांजगीर-चाम्पा। विद्युत सब स्टेशन के ऑपरेटरों ने अपनी वेतन की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ऑपरेटरों ने अपने ज्ञापन में बताया कि विद्युत मण्डल सब स्टेशन के ठेकेद्वार द्वारा उन्हें 7 माह से वेतन प्रदान नहीं किया है, जिससे उनकी दैनिक खराब हो रही है। उन्होंने बताया कि 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन के ऑपरेटरो का विगत फरवरी 2019 से अगस्त 2019 तक सभी सब स्टेशन छत्तीसगढ़ विद्युतमण्डल के अंतर्गत ऑपरेटर के तौर पर एक ठेकेदार अंतर्गत जिले में काम कर रहे है, जो उन्हे विगत 7 माह से वेतन नहीं दिया है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गयी है और अभी वर्तमान में आपातकालीन स्थिति में भी बिना डर, भय के ऑपरेटरगण अपनी ड्यूटी निरतंर कर रहे है। ठेकेदार को भी उनके द्वारा अपनी आर्थिक स्थिति से अवगत करा चुके है।

विधायक गुलाब कमरो ने एक करोड़ 65 लाख की दो बहुप्रतीक्षित सड़क का किया भूमिपूजन

बैकुंठपुर। वर्षो की बहुप्रतीक्षित मांग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 66 लाख 34 हजार की लागत से ग्राम मुक्तियारपारा से सलका सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक कमरो ने किया, उल्लेखनीय है कि इस सड़क की मांग पूर्व सरकार में ही ग्रामीणों ने कई बार किया लेकिन सड़क नही बनने से ग्रामीण उपेक्षित महसूस करने लगे थे, सरकार बदलने के बाद एक बार फिर ग्रामीणों ने नए विधायक गुलाब कमरो से सड़क निर्माण की मांग की जिस पर विधयाक ने भी तत्परता दिखाई और

आखिरकार सड़क की स्वीकृति मिल ही गई विधायक गुलाब कमरो ने भूमि पूजन कर क्षेत्र वासियो को शुभकामनाएं भी दिया, इसी दौरान साथ मे उपस्थित ग्रामीणों को मास्क वितरण कर समाजिक दूरी बनाने व लोक डाउन का पालन करने की अपील की इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उषा सिंह,जनपद अध्यक्ष डॉ विनय शंकर सिंह, जिला मीडिया प्रतिनिधि रंजीत सिंह,सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

ग्रामीणों में खुशी का माहौल विधायक को धन्यवाद

सड़क के भूमि पूजन से क्षेत्र में खुसी का माहौल है ग्रामीणों ने विधायक गुलाब कमरो को धन्यवाद भी ज्ञापित किया इसी दौरान जिला पंचायत सदस्य उषा सिंह ने कहा कि आवागमन की सुविधाओं सहित मूल भूत सुविधाओ का विस्तार विधायक के प्रयासों से हो रहा है, क्षेत्र में विकास कार्य लगातार हो रहे हैं प्रदेश सरकार लगातार आम जनो के मूल भूत सुविधाओ का ध्यान दे रही है ।

साल्ही में 98 लाख की सड़क का भूमिपूजन: विधायक गुलाब कमरो ने साल्ही में भी बहुप्रतीक्षित मांग मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 98 लाख 33 हजार की लागत से ग्राम पंचायत साल्ही से बिछली सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उषा सिंह,जनपद अध्यक्ष डॉ विनय शंकर सिंह,पूर्व सरपंच अमर सिंह श्याम,जनपद सदस्य श्रीमती बी कृष्णा, सरपंच साल्ही रामबाई श्याम,सरपंच डंगोरा भारत सिंह,विधायक जिला प्रतिनिधि रंजीत सिंह सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीणजन उपस्थित रहे ।

जिला अस्पताल में एमटीपी विशेषज्ञों व दो महिला चिकित्सकों के बावजूद, पीएचसी में किया जा रहा गर्भपात

जबरिया मरीजों के जान से खिलवाड़ कर रहे हैं पीएचसी के चिकित्सक

■ सादी पर्ची पर ही मेडिकल स्टोर्स धड़ल्ले से बेच रहे हैं गर्भपात की दवाएं, नियम कायदों की खुलेआम उड़ा रहे हैं धज्जियां

■ पीएचसी में गर्भपात के चलते अधिक रक्तस्राव से जान जोखिम में पड़ रही है महिलाओं की

■ स्त्री रोग विशेषज्ञ के अनुसार 50 दिन से अधिक का गर्भपात खतरनाक

नीरज उइके

कोंडागॉव। जिला अस्पताल व एमसीएच में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों व एमटीपी विशेषज्ञों के मौजूदगी के बावजूद पीएचसी कोंडागॉव में डॉक्टरों द्वारा जबरिया जटिल प्रशव व गर्भपात के सलाह हेतु पहुंचे मरीजो को जिला अस्पताल रिफर न करके स्वयं पीएचसी में अनियमित्तताओ के साथ जोखिम लेने के मामले लगातार सुर्खियों में आ रहे हैं।

जिनमे कुछ मामलों के बिगड़ने के बाद आनन फानन में मरीजो को अन्यत्र रिफर किया गया जहाँ उनकी मौत हो गई है।फिर भी पीएचसी के चिकित्सक अनियमित्तताओ से बाज नही आ रहे हैं। मामला शुक्रवार 24 अप्रेल का है जानकारी अनुसार शाम 4 बजे पीएचसी का प्यून बलीराम नगर के एक मेडिकल स्टोर में पहुंच कर शेड्यूल एच ड्रग ÷साइटोलाग÷ एक सादे कागज की पर्ची में लिखवाकर खरीदने पहुंचा था, जहाँ दुकानदार ने भी आसानी से ग्राहक को दवाई दे दी थी। जिसकी शिकायत सीएमएचओ डॉ कुँवर को

दुरभाष पर प्राप्त हुई थी।मामले पर उन्होंने डिस्टिक हेल्थ ऑफिसर डॉ एस टोप्पो ,डॉ सूरज राठौर,महिला चिकित्सक डॉ रीता गेडाम व डीपीएम सोनल ध्रुव को पीएचसी कोंडागॉव मामले पर भेजा था,जहाँ प्यून बलीराम ने बीएमओ डॉ आर के सिंह के दौरा उसे सादे पर्ची में दवाई लिख कर दुकान भेजा गया था जिसके बाद नगर के गणेश मेडिकल से दवाई लाने की बात उसने स्वीकारी,लेकिन मरीज के नाम पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी व डॉक्टर कुछ भी जानकारी देने से बचते नजर आए।

बड़ी बात यह है कि लगातार पीएचसी के चिकित्सक द्वारा अनियमित्तताओ की शिकायतें आने के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही नही करना गंभीर बात है,जिसके चलते बेखौफ़ पीएचसी में महिला मरीजो की जान जोखिम में डाला जा रहा है। इसमें सबसे बड़ा हाथ उन मेडिकल स्टोर्स संचालकों का वभी है,जो कि बिना डॉक्टर की पर्ची के लोगों को गर्भपात की दवाएं दे देते हैं।व उन मेडिकल स्टोर्ष पर ड्रग विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही न करना भी संदेह को जन्म देता है।

गर्भपात कराना कानूनी अपराध है ऐसा आपको हर क्लीनिक और अस्पताल पर लिखा मिल जाएगा लेकिन इसकी दवाओं की बिक्री के लिए नियम कायदों का कोई पालन नहीं हो रहा है। चिकित्सको के अनुसार 12 सप्ताह से कम दिनों के गर्भपात को कुशल एमटीपी का अधिकार प्राप्त चिकित्सक तथा मरीज कंसेंट फार्म पूर्ण किये जाने उपरांत किया जा सकता है, जिसके लिए बाकायदा एमटीपी ट्रेनिंग होती है।

बगैर कुशल चिकित्सक के इलाज से महिलाओं को होते हैं कई नुकसान

गलत तरीके व अकुशल चिकित्सक से गर्भपात से महिलाओ को दोबारा प्रेगनेंसी में परेशानी की संभावना बढ़ जाती है। वही अकुशल गर्भपात में भ्रूण पूरी तरह से बाहर नहीं आ पाता जिसके चलते कई बार जटिल ऑपरेशन तक करना पड़ सकता है। वही अत्यधिक ब्लीडिंग होने का खतरा बना रहता है। गर्भपात करने और कराने का अधिकार उन्हीं डॉक्टर के पास है जो या तो एमबीबीएस के बाद एमटीपी प्रशिक्षण प्राप्त किया हो या फिर इसके विशेषज्ञ हों। गर्भपात भी उन्हीं अस्पतालों में हो सकता है जिनके पास इसका लाइसेंस हो। वहीं ड्रग विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते मेडिकल स्टोर्ष भी इन दवाओं को धडल्ले बेखौफ़बेच रहे है। ऐसे में उस महिला की जान जोखिम में पड़ जाती है। अधूरा गर्भपात होने से अधिक ब्लीडिंग होती है और कई बार इसमें महिला की या तो जान चली जाती है या फिर वह दोबारा मां नहीं बन पाती है। यह एक गंभीर विषय है।

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के बिना गर्भपात कराना और बिना डॉक्टर की पर्ची के उसकी दवा बेचना गैर कानूनी है। कई मेडिकल स्टोर संचालक थोड़े से मुनाफे के लिए गैर कानूनी कार्य कर रहे हैं। लोग भी घर पर गर्भपात कराने में महिला की जान जोखिम में डाल देते हैं। इस पर सरकार ने एमटीपी एक्ट कानून बनाया है जिसका सख्ती से पालन होना चाहिए

डॉ. रीता गेडाम, स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल, कोंडागॉव

तालाब में डूबेने से दो मासूम बच्चों की मौत

खेल-खेल में दो मासूम बच्चे तालाब में डूबे, दोनों की हो गई मौत, गांव में शोक की लहर

नव प्रदेश संवाददाता

बीजापुर। जिले के ग्राम भटवाड़ा में दो मासूम चचेरे भाई-बहन की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक बच्ची का नाम लच्छनदेई और गणेश मंडावी है। घटना की सूचना के बाद गांव में शोक की लहर है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। जानकारी के मुताबिक तीन बच्चे खेलते-खेलते तालाब के पास पहुंच गए जिसमें लच्छनदेई (8 वर्ष) और गणेश मंडावी (5) चचरे भाई-बहन थे। दोनों तालाब में उतर गए. गहरे में चले जाने से दोनों की मौत हो गई.

घटना भैरमगढ़ थाना क्षेत्र की है. टीआई अमोल खलखो ने घटना की पुष्टि की है।

ग्राम भटवाड़ा में दो मासूमों के तालाब में डूब जाने से मृत्यु हो गई थी। उनके परिजनों से मिलने क्षेत्रीय विधायक विक्रम शाह मंडावी अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे साथ ही भैरमगढ़ तहसीलदार जुगल किशोर पटेल साहब मौजूद थे। विधायक जी के द्वारा परिजनों को 5000 रू. रुपये सहायता राशि मृतको को अनुदान की गई।

लॉकडाउन के दौरान मनरेगा में बना नया रिकार्ड

3 साल में सबसे ज्यादा 13 हजार लोगों को मिला रोजगार

नव प्रदेश संवाददाता

देवभोग। कोविड-19 महामारी में लॉकडाउन के चलते इस बार स्थानीय अधिकारियों की भरसक प्रयास से जिले के अन्य ब्लॉक की तुलना में मनरेगा के अंतर्गत देवभोग सबसे ज्यादा मजदूरों को रोजगार देने में सफल नजर आ रहे हैं, पिछले 1 अप्रैल से लेकर आज की स्थिति में 12 हजार 472 लोग मजदूरी कर रहे हैं। हालांकि या आंकड़ा में लगातार बढ़ोतरी भी देखी जा रही है। जबकि पिछले 3 साल में भी इतनी संख्या में मजदूरों को रोजगार नहीं मिल पाया बीते वर्ष 2017 - 18 में करीब 7 हजार तो वही 18 - 19 में 9 हजार मजदूरों को ही रोजगार दिलाने में सफल रहे लेकिन इस बार करीब 13 हजार से भी अधिक मजदूरों को रोजगार दिया जा रहा है। मतलब फिंगेश्वर, गरियाबंद, छुरा, मैनपुर, ब्लॉक से सबसे ज्यादा देवभोग ब्लॉक के पंचायतों में रोजगार दिया जा रहा है, बकायदा इसके लिए सुबह से सीईओ एम एल मंडावी और पीओ शिवकुमार नाँरगे ने कमान संभालते हुए ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक को निर्देशित करने के

ब्लॉक	कुल मजदूरों की संख्या	काम कर रहे मजदूर
देवभोग	50 हजार631 से अधिक	12हजार472
गरियाबंद	63 हजार138 से अधिक	10हजार814
छुरा	56 हजार47 से अधिक	9 हजार730
मैनपुर	55 हजार765 से अधिक	8 हजार912
फिंगेश्वर	64 हजार55 से अधिक	10 हजार2सौ

साथ अधिक से अधिक लोगों को रोजगाँरटी कार्य से जुड़ने के लिए कहा जा रहा है, ताकि शत प्रतिशत लोगों को निर्धारित दिवस की मजदूरी मिल पाए और दूसरे राज्य पलायन करने से रोका जाए जानकारी कुआं गौठान चेकडम नाला सफाई बाड़ी सहित भूमिसुधार जैसे 336 कार्य 53 पंचायत में कराया जा रहा है, शायद यही वजह है, कि लाकडाउन का पालन भी मजदूरों द्वारा आसानी से किया जा रहा है, क्योंकि गांव गांव में ही भूमि सुधार तालाब गहरीकरण में काम मिल रहा है बकायदा मजदूरों को मजदूरी भुगतान भी हर दूसरे दिन एफटी ओ के माध्यम से किया जा रहा है ताकि मजदूरों को किसी प्रकार आर्थिक तंगी से जूझना नहीं पढ़े अब तक 45 हजार मस्टोररोल का करीब 8 लाख 55 हजार से अधिक राशि का भुगतान किया जा चुका है, यही कारण है, कि मजदूर भी बढ़-चढ़कर रोजगार गारंटी में काम करने के लिए निकल रहे हैं, सबसे ज्यादा राहत दैनिक मजदूरों को मिल रहा है, क्योंकि कोविड-19 को ध्यान में रखते अधिकांश मजदूरों को मजबूरी मैं घर पर ही बैठना पड़ता था लेकिन मनरेगा कार्य में मजदूरी के बाद ही राशि भुगतान होने पर दैनिक सामग्री लेने में भी आसानी होती है! जनपद सीईओ एमएल मंडावी ने बताया कि सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का सत प्रतिशत पालन करते हुए लगातार रोजगार मूलक कार्य कराया जा रहा है साथ ही मांग के अनुसार कार्यों की फाइल बनाकर जिला स्वीकृति के लिए भेजा जा रहा है ताकि सभी जॉब कार्ड धारियों को रोजगार दिया जा सके।

सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करते रोजगार गारंटी में मजदूरों को मजदूरी दिया जा रहा है हमारी कोशिश है कि कुछ दिनों मे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिले।

एमएल मंडावी, सीईओ देवभोग

अवैध रेत तस्करी के मामले में सात वाहन जप्त

■ नायब तहसीलदार ने की कार्यवाही

■ सभी वाहनों के मालिक ग्राम मनेरी के

नव प्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। डोंगरगांव के समीपस्थ ग्राम मनेरी के करीब सूखानाला बैराज में अवैध रूप से रेत की तस्करी में लिप्त दो माजदा तथा 5 ट्रेक्टर को राजस्व अमले ने मौके पर जाकर पकड़ा है। सभी के ऊपर भू-राजस्व संहिता की धारा 247 के तहत् कार्यवाही के बाद भादंवि की धारा 144 का उल्लघंन के कारण जुर्माना अधिरोपित किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व अमले को कल शाम यह सूचना मिली थी कि कतिपय वाहन चालक लॉकडाऊन के बाद भी मौके का फायदा उठाकर नदी-नालों से रेतों की चोरी कर अनाप-शनाप रेट में रेत बेचकर बड़ी कमाई कर रहे हैं। सूचना पर नायब तहसीलदार लीलाधर कंवर अपने पटवारी संजय यदु, योगेश्वर सहारे एवं अन्य को लेकर मुखबिरों द्वारा बताये गये स्थल की रवाना हुए तो उन्हें सूखनाला बैराज के समीप नदी में दो माजदा तथा पांच ट्रेक्टरों को रेत भरते हुए रंगे हाथ पकड़ा। राजस्व अमले को आता देख कुछ हमाल तथा ड्राइवर भागने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें ललकार वापस बुलाया गया।

जानकारी में राजस्व अमले ने बताया कि रेड कार्यवाही में माजदा क्रमांक सीजी 08 एल-3574, सीजी 08-एल 2499, ट्रेक्टर क्रमांक सीजी 08-5541, सीजी 08-8440, सीजी 08-5887, सीजी 08-0682, सीजी 08-के 1862 को जप्त कर डोंगरगांव पुलिस थाना में लाकर पुलिस कस्टडी में रखा गया है। नायब तहसीलदार श्री कंवर ने बताया कि अवैध रेत परिवहन में लिप्त सभी वाहन ग्राम मनेरी के ही ढालदास साहू, इंद्र कुमार साहू, जगमोहन साहू, जितेन्द्र साहू, पोहन साहू, जागेन्द्र साहू तथा कुमेश्वर साहू के नाम पर दर्ज है।

अंचल में एक लंबे समय से विभिन्न नदी, नालों से अवैध रेत उत्खनन का खेल चल रहा है। रात के अंधेरे में हो या फिर तडके, ऐसे धंधे बेखौफ चल रहे हैं। कभी-कभार दिखावे के नाम पर राजस्व अमले द्वारा कार्यवाही कर वाहवाही लूट ली जाती है, फिर वही ढर्रा चालू हो जाता है। खनिज विभाग की भूमिका तो इस क्षेत्र में अवैध रेत, मुरूम, गिट्टी, पत्थर उत्खनन के मामले पकड़ने में नगण्य है। जानकारी के अनुसार खुज्जी, बघमार, दर्री, बगदई, बरगांव, जामसरार, लक्ष्मणभरदा, कोहका, रूदगांव, रातापायली सहित अनेक जगहों पर स्थित नदी-नाले ऐसे रेत तस्करों के लिए कमाई का जरीया बना हुआ है।

जगरगुंडा एरिया कमेटी ने जारी किया प्रेसनोट

जवानों पर ग्रामीणों से मारपीट और लूटपाट का आरोप

दोरनापाल (नव प्रदेश)। नक्सलियों ने प्रेसनोट जारी कर सुरक्षा बल के जवानों पर ग्रामीणों से मारपीट करने का आरोप लगाया है। नक्सलियों का आरोप है कि जवानों ने ताड़मेटला गांव में गावं वालों से लूटपाट भी की है। जगरगुंडा एरिया कमेटी की ओर से मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 14 अप्रेल को ताड़मेटला गांव में सुरक्षाबल व डीआरजी के जवानों द्वारा ग्रामीणों को एकत्रित कर इनके साथ मारपीट की गई है। वहीं ग्रामीणों से पैसे, शराब और इमली आदि लूटकर भी ले गए। पर्चे में नक्सलियों ने आरोप लगाया है कि ताड़मेटला गांव के 18 ग्रामीणों को सुरक्षाबल के जवान अपने साथ लेकर गए और 10 ग्रामीणों के साथ मारपीट कर इन्हें छोड़ दिया गया। वहीं 5 ग्रामीणों को सुरक्षाबलों द्वारा कोरोना वायरस के नाम से अस्पताल में भर्ती करने का आरोप भी पर्चे में लगाया गया है। इधर, जवानों की इस कथित कार्रवाई के खिलाफताड़मेटला गांव के ग्रामीण भी अब लामबंद होने लगे है। सुरक्षाबल के जवानों पर मारपीट और लूटपाट का आरोप लगाते ग्रामीण एकत्रित हुए और बैठक कर इसका विरोध जताया है। इस बारे में एसपी शलभ सिन्हा का कहना है कि ताड़मेटला गांव की ओर जवान एरिया डोमिनेशन पर निकले थे। इस दौरान कुछ ग्रामीणों की तबीयत खराब होने की बात फोर्स को पता चली। जिसके बाद उन्हें कैम्प लाया गया और उनका चेकअप किया गया। सुकमा एसपी के मुताबिक, जिन ग्रामीणों की तबीयत खराब थी उन्हें क्वारंटीन सेंटर में रखा गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं जो ग्रामीण ठीक हैं उन्हें वापस छोड़ दिया गया है।

रेडक्रास ने दिए दो लाख के कोरोना प्रोटेक्शन किट

■ औद्योगिक घरानों ने भी किया 76 हजार का सहयोग

महासमुंद (नव प्रदेश)। भारतीय रेडक्रास सोसायटी और कुछ औद्योगिक संस्थानों ने हाल ही में कोरोना कंट्रोल को लेकर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के दफ्तर में हुई एक बैठक के दौरान की गई समीक्षा के बाद भारतीय रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारियों ने पूर्ण मनोयोग व सहमति से अपनी जान को जोखिम में डाल कर जनहित में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाले अमले की सुरक्षा अनिवार्यता को समझते हुए स्वस्फूर्त होकर लाखों रुपए की धनराशि व्यय की है। इस दौरान विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर की गरिमामय मौजूदगी में भारतीय रेडक्रॉस समिति की

मदद के लिए औद्योगिक संस्थान भी आए आगे

इधर, कलेक्टर जैन से मुलाकात कर दो प्रमुख औद्योगिक संस्थानों में साबू एलपीजी इक्यूपमेंट प्राइवेट लिमिटेड एवं गणपति नमकीन भंडार ने भी पीपीई किट व्यवस्था के लिए क्रमशः इक्कावन एवं पच्चीस हजार रुपए की धनराशि का सहयोग प्रदान कर यह साबित किया है कि विषम परिस्थिति में औद्योगिक क्षेत्र भी पीछे नहीं हैं।

जिला इकाई द्वारा उपाध्यक्ष धरमचंद श्रीश्रीमाल के सहयोग से जिले के कोरोनिक चिकित्सकीय अमले लिए राजधानी के कार्लटल हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड रायपुर द्वारा निर्मित दो लाख एक हजार छह सौ रुपए के निशुल्क दौ सौ पीपीई किट प्रदान कर सहभागिता दी गई। साथ ही समिति द्वारा महामारी नियंत्रण के लिए भावी रूपरेखा तैयार कर हर संभव सहयोग प्रदान करने की मंशा भी जाहिर की गई। इस दौरान मुख्य रूप से जिला रेडक्रास समिति के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि के रूप में अपर कलेक्टर आलोक पांडेय एवं वरिष्ठ समाजसेवी दाऊलाल चंद्राकर उपस्थित रहे।

मोखला में फल-फूल रही है शासन की बाड़ी योजना

कहीं जमीं पर खुशहाली की हरीतिमा, तो कहीं धान की सुनहरी बालियां सुहावन

■ महिला स्व सहायता समूह ने लगाई है विभिन्न किस्म की सब्जियां

■ शिवनाथ नदी का मिला है उपहार

■ जिले का सबसे बड़ा मॉडल गौठान एवं सबसे बड़ा वर्मी कम्पोस्ट

नव प्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। शिवनाथ नदी के तट पर बसे गांव मोखला में बारहमासी पानी की उपलब्धता इस गांव की समृद्धि बयां कर रही है। नदी के किनारे बने आदर्श गौठान में बने बाड़ी में जटादाह महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने किस्म-किस्म के बैगन, टमाटर, भिण्डी, लौकी, गिल्की, ग्वांरफली, ककड़ी, मिर्च लगायी हैं। ताइवान के खास तरह

के पपीते के पेड़ में फूल लगने लगे हैं, वहीं करमता भाजी, खट्टा भाजी, चेचभाजी, कांदा भाजी भी लगी हुई है। सोलर पैनल से सिंचाई हो रही है। गांव में कहीं जमीं पर खुशहाली की हरीतिमा है तो कहीं धान की सुनहरी बालियां है। किसान यहां दो फसल लेते हैं वहीं इस क्षेत्र में नदी के समवर्ती गांव भर्रेगांव, धामनसरा, जंगलेसर में सब्जियां बहुतायत होती है।

जटादाह स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती किरण साहू ने कहा कि शासन की नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना हमारे लिए बहुत अच्छी है। जिससे सब्जियों की खेती करने से हमें रोजगार मिला है। आमदनी बढ़ने से बच्चों की परिवरिश में सुविधा होगी और उन्हें सुपोषण भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि द्रव्यजीवमृत, धनाजमृत, वर्मी कम्पोस्ट एवं नाडेप खाद का उपयोग कर जैविक खेती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आत्मनिर्भर है, इस बात का हमें अहसास है और इसके लिए उन्होंने तहे दिल से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद ज्ञापित किया। समूह की श्रीमती संदीपा साहू ने कहा कि बाड़ी योजना से महिलाओं में खुशी और आत्मविश्वास बढ़ा है। समूह की महिलाएं श्रीमती वचनी साहू, श्रीमती महेतरीन बाई, श्रीमती अमरोतीन, श्रीमती राजकुमारी भी प्रसन्न है।

मोखला में जिले का सबसे बड़ा मॉडल गौठान एवं सबसे बड़ा वर्मी कम्पोस्ट भी है। यहां जय मां अम्बे स्व सहायता समूह एवं प्रगति स्व सहायता समूह की महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण का कार्य कर रही है। यहां 35 वर्मी बेड है। अब तक 80 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय हो चुका है। सुराजी ग्राम योजना के तहत अम्बागढ़ चौकी के पीपरखार एवं डोंगरगढ़ विकासखंड के गांव मोतीपुर में भी आदर्श गौठान है। जहां महिलाएं बाड़ी योजना से लाभान्वित हो रही है।